PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 176 ● भिलाई, शनिवार 17 जनवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

ईडी ने सुमाया ग्रुप पर कसा शिकंजा, 35 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुंबई जोनल ऑफिस ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत एम/एस सुमाया ग्रुप और उसके सहयोगियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने लगभग 35.22 करोड़ रुपए की चल और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। इनमें बैंक बैलेंस, डीमैट होल्डिंग्स और म्यूचुअल फंड जैसी चल संपत्तियां शामिल हैं, साथ ही दो अचल संपत्तियां भी हैं। यह कार्रवाई वर्ली पुलिस स्टेशन में दर्ज एक प्राथमिकी के आधार पर शुरू हुई जांच का हिस्सा है। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत सुमाया इंडस्ट्रीज लिमिटेड, उसके प्रमोटरों और अन्य व्यक्तियों तथा संस्थाओं के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप है कि इन लोगों ने भविष्य के 'नीड टू फीड प्रोग्राम' के फायदों का झांसा देकर 137 करोड़ रुपए की रकम का गबन किया। ईडी की जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

कनाडा में पंजाबी बिजनेसमैन की गोली मारकर हत्या

सरे। कनाडा में पंजाबी समुदाय के लिए एक और बुरी खबर सामने आई है। सरे शहर में एक प्रमुख पंजाबी बिजनेसमैन बिंदर गरचा की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई है। गरचा वहां मशहूर 'स्टूडियो-12' और एक क्लब के मालिक थे। इस वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और हत्या से जुड़ा अहम सीसीटीवी फुटेज भी बरामद कर लिया है। कनाडा पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह घटना बुधवार को हुई। बिंदर गरचा को 176 स्ट्रीट, 35 एवेन्यू के पास गोली मारी गई। हालांकि उनका घर सरे सिटी में है, लेकिन वारदात को एक फार्म हाउस के पास अंजाम दिया गया। जिस जगह गोलीबारी हुई, वह सड़क आगे जाकर अमेरिकी सीमा से जुड़ती है। पुलिस को मिली सीसीटीवी फुटेज में पूरी वारदात रिकॉर्ड हो गई है, जिसके आधार पर अब हमलावरों की पहचान और धरपकड़ की कोशिशें तेज कर दी गई हैं।

ईरान ने बंद किया एयरस्पेस, एयर इंडिया-इंडिगो समेत कई एयरलाइंस ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली । ईरान में लगातार बिगड़ते हालात का असर अब अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवाओं पर भी साफ दिखने लगा है। सुरक्षा कारणों के चलते ईरान ने अपना हवाई क्षेत्र पूरी तरह बंद कर दिया है। इसके चलते एयर इंडिया, इंडिगो समेत कई प्रमुख एयरलाइंस ने यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। एयरलाइंस के अनुसार, ईरानी हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण इस रूट से गुजरने वाली अधिकांश उड़ानों को वैकल्पिक मार्गों से संचालित किया जा रहा है।

बीएमसी में महायुति को बहुमत, सीएम बोले-बालासाहेब का मिला आशीर्वाद

बीजेपी को मिला बहुमत-मुंबई में उद्धव ठाकरे का किला ध्वस्त

मुंबई/ एजेंसी

शुक्रवार को महाराष्ट्र के शहरी क्षेत्र के राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन ने राज्य के प्रमुख नगर निगमों में शानदार जीत हासिल की। गुरुवार को हुए महत्वपूर्ण मतदान के बाद मतगणना से सत्तारूढ़ दल के पक्ष में शहरी क्षेत्रों में स्पष्ट जनादेश का पता चला। गठबंधन ने प्रतिष्ठित बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया, जिससे ठाकरे परिवार के दशकों के एकतरफा वर्चस्व का अंत हुआ और भारत के सबसे समृद्ध नागरिक निकाय के प्रशासन में एक ऐतिहासिक बदलाव आया। भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति पार्टी ने 29 नगर

निगम चुनावों में से 24 में बड़ी बढ़त हासिल की है। भाजपा गठबंधन में निर्विवाद रूप से बड़े भाई के रूप में उभरी और राज्य के द्वितीयक शहरी केंद्रों में अपनी जबरदस्त ताकत का प्रदर्शन किया। नागपुर में पार्टी ने अपना पारंपरिक गढ़ बरकरार रखा और 80 से अधिक वार्डों में बढ़त हासिल करते हुए कांग्रेस को काफी पीछे छोड़ दिया। पिंपरी-चिंचवाड़ और पुणे में भी इसी तरह के रुझान देखने को मिले, जहां अजीत पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी महायुति गठबंधन से अलग होकर अपने चाचा शरद पवार की राष्ट्रीय सेना (एसपी) के साथ चुनाव लड़ी थी। भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने उनकी कड़ी चुनौती और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) को सफलतापूर्वक मात दी। मुंबई स्थित राज्य भाजपा मुख्यालय में चुनाव परिणामों का जश्न मनाते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस जीत को महाविजय बताया और इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा समर्थित विकासोन्मुखी राजनीति में मतदाताओं के विश्वास का प्रमाण बताया। इन नतीजों से उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को एक अहम उम्मीद मिली है, जिनकी शिवसेना की शाखा ने मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में शानदार प्रदर्शन किया है। शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने ठाणे, कल्याण-डोम्बिवली और मुंबई के उपनगरीय इलाकों के कई वार्डों में महत्वपूर्ण जीत दर्ज की, जिससे उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) को उसके गढ़ में ही कड़ी चुनौती मिली।

बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी खुशी जताई

वहीं, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने भी महाराष्ट्र नगर निकाय चुनाव में 'महायुति गठबंधन' को मिली प्रचंड जीत पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी एवं शिवसेना की प्रचण्ड विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में डबल इंजन सरकार की विकासोन्मुखी नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं पर जनता की मुहर है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक विजय के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण, मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम एवं समस्त कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

चुनावी नतीजों पर पीएम मोदी का पहला रिएक्शन बोले-जनता को नमन

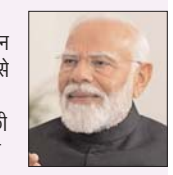

महाराष्ट्र में 'मिनी विधानसभा' माने जाने वाला नगर निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले 'महायुति गठबंधन' ने शानदार प्रदर्शन किया है। राज्य के 29 में से अधिकांश नगर निगमों में गठबंधन ने बढ़त हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निकाय चुनाव में जीत पर खुशी जाहिर की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पीएम मोदी ने लिखा, 'धन्यवाद महाराष्ट्र! राज्य की ऊर्जावान जनता ने एनडीए के जनहितैषी सुशासन के एजेंडे को आशीर्वाद दिया है! उन्होंने कहा कि विभिन्न नगर निगम चुनावों के परिणाम दर्शाते हैं कि महाराष्ट्र की जनता के साथ एनडीए का संबंध और भी गहरा हुआ है।

महायुति सरकार होगी मजबूत : गडकरी

निकाय चुनाव में जीत के लिए फडणवीस को बधाई

नागपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने महाराष्ट्र में बीएमसी सहित 29 निकायों के चुनाव में भाजपा-शिवसेना गठबंधन की बढ़त के रुझानों के बीच राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ-साथ पार्टी कार्यकर्ताओं को भी बधाई दी। गडकरी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र की प्रगति की यात्रा को और भी अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिवसेना के शानदान प्रदर्शन के लिए फडणवीस, शिंदे, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले और सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। गडकरी ने कहा कि वह राज्य की जनता के प्रति आभारी हैं।

चिक्कमगलुरु में पोंगल उत्सव के दौरान महिलाएं रंगोली बनाती हुईं.

रिक्टर स्केल पर तीव्रता 6.2 रही

भूकंप के झटकों से दहला अमेरिका का ओरेगॉन.....

वॉशिंगटन/ एजेंसी

अमेरिका के ओरेगॉन इलाके के तटीय क्षेत्र में गुरुवार को भूकंप के झटके लगे। रिक्टर स्केल पर भूकंप के इन झटकों की तीव्रता 6.2 रही। हालांकि इसमें अभी किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं हैं। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंस ने बताया कि भूकंप का केंद्र जमीन के 10 किलोमीटर अंदर था। नेशनल सुनामी वार्निंग सेंटर द्वारा अभी तक सुनामी को लेकर कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। ओरेगॉन के जिस इलाके में भूकंप के झटके महसूस किए गए, वह ओरेगॉन और कैलिफोर्निया की सीमा पर स्थित है और यहां अक्सर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। इस इलाके में आने वाले अधिकतर भूकंप जमीन के भीतर होते हैं और अक्सर धरती पर महसूस नहीं होते। ओरेगॉन के जिस इलाके में भूकंप के झटके महसूस किए गए।

बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव के लिए अधिसूचना जारी

पांच दिन चलेगी यही प्रक्रिया नितिन नबीन की ताजपोशी तय

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। रिटर्निंग ऑफिसर डॉ. के. लक्ष्मण ने पूरे चुनाव कार्यक्रम का ऐलान किया है। इस चुनावी प्रक्रिया को संगठन पर्व 2024 नाम दिया गया है। फिलहाल पार्टी ने नितिन नबीन को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया हुआ है और माना जा रहा है कि इसी प्रक्रिया के बाद उन्हें औपचारिक रूप से पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया जा सकता है। पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि बीजेपी का संगठन पर्व 2024 अब अपने अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है। विज्ञप्ति में यह भी बताया गया है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया की आधिकारिक घोषणा आज की जा रही है। बीजेपी ने आज ही निर्वाचक मंडल की सूची भी जारी कर दी है। यह सूची पार्टी मुख्यालय में प्रकाशित की गई है। इसके बाद 19 जनवरी को नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी। दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक उम्मीदवार नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। 19 जनवरी को ही शाम 4 बजे से 5 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। इसके बाद शाम 5 बजे से 6 बजे तक नाम वापस लेने की प्रक्रिया चलेगी। शाम साढ़े 6 बजे राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी की ओर से आधिकारिक बयान जारी किया जाएगा। यदि आवश्यकता पड़ी, तो 20 जनवरी को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कराया जाएगा। सियासी विश्लेषकों का मानना है कि नितिन नबीन के सामने सबसे बड़ी चुनौती पश्चिम बंगाल की है। बीजेपी पश्चिम बंगाल में किसी भी सूरत में सत्ता हासिल करना चाहती है।

सिंगापुर कोर्ट में खुलासा : जुबीन गर्ग ने नशे में लाइफ जैकेट पहनने से किया था मना

नई दिल्ली। सिंगापुर की एक कोरोनर कोर्ट में बुधवार को मशहूर भारतीय सिंगर और गीतकार जुबीन गर्ग की मौत के मामले में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। जांच अधिकारियों ने कोर्ट को बताया कि पिछले साल सितंबर में लाजरस आइलैंड के पास डूबने से पहले जुबीन गर्ग बहुत ज्यादा नशे में थे और उन्होंने लाइफ जैकेट पहनने से साफ इनकार कर दिया था। 52 वर्षीय सिंगर 19 सितंबर 2025 को एक यॉट पार्टी में शामिल थे, जहां यह हादसा हुआ। उन्हें अगले ही दिन सिंगापुर में आयोजित होने वाले 'नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल' में परफॉर्म करना था।

मेहुल चोकसी का बेटा भी निकला मनी लॉन्ड्रिंग का खिलाड़ी!

ईडी का बड़ा दावा, साजिश में एक्टिव था रोहन चोकसी

नई दिल्ली/ एजेंसी

मेहुल चोकसी के खिलाफ चल रहे मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने पहली बार दावा किया है कि उनका बेटा रोहन चोकसी भी इस मामले में एक्टिवली शामिल था। ये दावा दिल्ली में फॉरफिटेड प्रॉपर्टी के अपीलेट ट्रिब्यूनल के सामने किया गया। सूत्रों के मुताबिक, मेहुल चोकसी के बेटे रोहन चोकसी ने मुंबई में स्थित एक प्रॉपर्टी की अटैचमेंट के खिलाफ अपील की थी। बता दें कि ये प्रॉपर्टी 2018 में ईडी ने अटैच की थी। रोहन का कहना था कि ये प्रॉपर्टी उनके फैमिली ट्रस्ट की है और 1994 में खरीदी गई थी। लेकिन श्वष्ठ ने ट्रिब्यूनल को बताया कि ये प्रॉपर्टी मेहुल चोकसी ने साल 2013 में अपने बेटे के नाम ट्रांसफर की थी। ताकि अगर धोखाधड़ी सामने आए तो प्रॉपर्टीज बचाई जा सके। जांच एजेंसी ने कहा कि सबूत बताते है कि रोहन चोकसी भी मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल था। गौर करने वाली बात ये है कि रोहन चोकसी का नाम किसी एफआईआर या चार्जशीट में नहीं है। मेहुल चोकसी 2017 में भारत छोड़कर फरार हो गया था। उस पर पंजाब नेशनल बैंक को हजारों करोड़ का नुकसान पहुंचाने का आरोप है। वो इस वक्त बेल्जियम में जेल में है और उसके खिलाफ भारत की तरफ से एक्स्ट्राडिशन की कार्रवाई चल रही है। ट्रिब्यूनल के सामने अपनी लिखित दलीलों में जांच एजेंसी ने कहा कि मेहुल चोकसी कई ऐसी कंपनियों में डायरेक्टर था जो सिर्फ कागजों पर मौजूद थीं।

आज इस परिदृश्य में आया बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता

भारत की स्टार्टअप क्रांति भविष्य का आधार : पीएम मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम पिछले एक दशक में एक सीमित विचार से निकलकर राष्ट्र निर्माण के सबसे बड़े स्तंभ के रूप में उभरा है। 'नेशनल स्टार्टअप डे' के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विकास यात्रा को नए और विकसित होते भारत के भविष्य का आधार बताया है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि आज के स्टार्टअप फाउंडर्स और इनोवेटर्स का समूह वास्तव में भारत के उवल भविष्य की तस्वीर पेश कर रहा है। प्रधानमंत्री ने स्टार्टअप आंदोलन की विनम्र शुरुआत को याद करते हुए बताया कि लगभग 10 साल पहले, इस कार्यक्रम की नींव विज्ञान भवन में रखी गई थी। उस समय यह पहल बहुत छोटी थी और इसमें भाग लेने वाले नौजवानों की संख्या महज 500 से 700 के बीच थी।पीएम मोदी ने कहा, आज इस परिदृश्य में आया बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। स्टार्टअप्स की बढ़ती संख्या और उनके विस्तार ने आयोजन स्थल को विज्ञान भवन से भारत मंडपम तक पहुँचा दिया है। प्रधानमंत्री के अनुसार, आज स्थिति यह है कि भारत मंडपम जैसे विशाल आधुनिक केंद्र में भी स्टार्टअप उत्साहियों के लिए जगह कम पड़ने लगी है। यह बदलाव केवल स्थान का नहीं, बल्कि भारत की नवाचार क्षमता और वैश्विक स्तर पर स्टार्टअप्स की स्वीकार्यता का प्रतीक है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे यंग इनोवेटर्स, जिन्होंने नए सपने देखने का साहस दिखाया, मैं उन सभी की बहुत-बहुत सराहना करता हूं। आज हम स्टार्टअप इंडिया के 10 साल पूरे होने का माइलस्टोन सेलिब्रेट

कर रहे हैं। 10 साल की ये जर्नी सिर्फ एक सरकारी योजना के सफल होने की कहानी नहीं है, ये आप जैसे हजारों-लाखों सपनों की जर्नी है। ये कितने ही सपनों के साकार होने की यात्रा है। आप याद कीजिए, 10 साल पहले हालत क्या थे... इंडिविजुअल एफर्ट और इनोवेशन के लिए गुंजाइश ही नहीं थी। हमने उन परिस्थितियों को चैलेंज किया, हमने स्टार्टअप इंडिया लॉन्च किया और हमने युवाओं को खुला आसमान दिया, और आज नतीजा हमारे सामने है। सिर्फ 10 साल में स्टार्टअप इंडिया मिशन क्रांति बन चुका है। भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में स्टार्टअप को लेकर समाज और परिवारों के दृष्टिकोण में आए बदलाव पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने 10 साल पहले की एक घटना का उदाहरण साझा किया, जिसमें एक युवती ने कॉरपोरेट जगत की सुरक्षित नौकरी छोड़कर स्टार्टअप शुरू करने का फैसला लिया था। जब वह अपनी मां को यह जानकारी देने कोलकाता गई, तो उसकी मां की प्रतिक्रिया थी, सर्वनाश... तुम बर्बादी की राह पर क्यों जा रही हो!। यह वाकया उस समय स्टार्टअप को लेकर देश में व्याप्त गहरी असुरक्षा और संशय की भावना को दर्शाता है। स्टार्टअप को तब करियर के एक अस्थिर विकल्प और आर्थिक 'विनाश' के रूप में देखा जाता था।

भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है

आज हम स्टार्टअप इंडिया के 10 साल पूरे होने का माइलस्टोन सेलिब्रेट कर रहे हैं। 10 साल की ये जर्नी सिर्फ एक सरकारी योजना के सफल होने की कहानी नहीं है, ये आप जैसे हजारों-लाखों सपनों की जर्नी है। ये कितने ही सपनों के साकार होने की यात्रा है। आप याद कीजिए, 10 साल पहले हालत क्या थे... इंडिविजुअल एफर्ट और इनोवेशन के लिए गुंजाइश ही नहीं थी। हमने उन परिस्थितियों को चैलेंज किया, हमने स्टार्टअप इंडिया लॉन्च किया और हमने युवाओं को खुला आसमान दिया। सिर्फ 10 साल में स्टार्टअप इंडिया मिशन क्रांति बन चुका है। भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है।

जीवनदायिनी के डुबान क्षेत्र में अतिक्रमण कर की जा रही खेती, तांदुला का अस्तित्व खतरे में

जल संरक्षण की दिशा में तांदुला को अतिक्रमण से मुक्त कराने जिला प्रशासन प्रयासरत, ग्रीष्मकालीन में धान के बदले अन्य फसल लेने कलेक्टर ने की किसानों से अपील

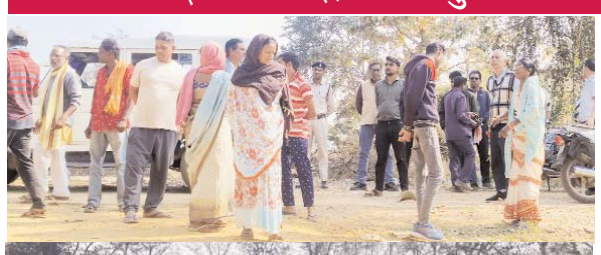

बालोद। जिला मुख्यालय बालोद से लगे ग्राम सिवनी अंतर्गत तांदुला नदी के डुबान क्षेत्र में किसानों के द्वारा अतिक्रमण कर खेती की जा रही है। खरीफ़ के अलावा ग्रीष्मकालीन धान की भी खेती ली जा रही है। दर्जनों से अधिक किसान तांदुला नदी में अतिक्रमण कर धान बोकर अवैध कब्जा करते चले आ रहे हैं। जिसकी वजह से जीवनदायिनी तांदुला का दो फाड़ हो गया है। जिससे जीवनदायिनी तांदुला का अस्तित्व खतरे में हैं। जल संरक्षण की दिशा में तांदुला को अतिक्रमण से मुक्त कराने जिला प्रशासन प्रयासरत नज़र आ रहा हैं। बालोद एसडीएम नूतन कंवर, तहसीलदार आशुतोष शर्मा, जल संसाधन विभाग के एसडीओ हीरालाल साहू सहित राजस्व अमला मौके पर पहुचा, और तांदुला के डुबान क्षेत्र में अतिक्रमण कर खेती कर रहे लोगों को खेती नही करने और अतिक्रमण को छोड़ने की समझाइश दी। किसानों को समझाया कि उनके द्वारा जो यहां खेती की जा रही है, वो अतिक्रमण कर की जा रही है। जो कि गलत है, गैरकानूनी हैं। लेकिन अतिक्रमणधारी खेती करने की बात पर अड़े रहे, वे कहते रहे कि उनके द्वारा कई वर्षो से यहां अतिक्रमण कर खेती की जा रही है, उनके आजीविका का यही साधन है। हालांकि खेती कर रहे लोगों ने भी स्वीकार किया कि उन्होने अतिक्रमण किया हैं। अतिक्रमण हटाने की जानकारी मिलते ही मौके पर क्षेत्रीय विधायक संगीता सिन्हा भी पहुची, उन्होंने प्रशासन से किसानों को खेती करते रहने देने की बात कही।

जीवनदायिनी तांदुला को अतिक्रमण मुक्त करने का प्रयास : शर्मा

तहसीलदार आशुतोष शर्मा ने बताया कि जिले की प्रमुख नदी तांदुला जो बालोद नगर से होकर बहती हैं। नदी का जो राजस्व नक्शे में जो क्षेत्र हैं, दोनों तरफ लोग अतिक्रमण कर खेती कर रहे है। जीवनदायिनी तांदुला नदी को हमें अतिक्रमण से मुक्त करना हैं और नदी को पहले की तरह बनाएंगे। इसलिए जो लोग यहां खेती कर रहे है और ग्रीष्मकालीन धान लगाने का प्रयास कर रहे हैं, उन्हें पहले सूचना देकर रुकवाया है, की यहां खेती न करे। और मौके पर भी आकर कर के काम मे लगे ट्रैक्टर को भी रुकवाया हैं। और ट्रैक्टर पर कार्यवाही भी कर रहें हैं। उन्होंने बताया कि किसान बता रहे है कि पहले वे दुर्ग में पेशी गए है, जुर्माना भी लगा है, तो यह साफहै कि जमीन सरकारी है, तभी ये सब कार्यवाही हुई हैं। आज भी किसान स्वीकार कर रहे है कि पट्टा उनका नही हैं। इतने समय से अतिक्रमण था, अतिक्रामक है इस बात को किसान स्वयं स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक प्रयोजन की बात है, जीवनदायिनी तांदुला नदी का अस्तित्व बचाने का प्रयास कर रहे है, किसानों के द्वारा अतिक्रमण कर खेती करने से तांदुला का हिस्सा चपेट में आ गया हैं। उन्होंने बताया कि देऊतराई, सिवनी और हीरापुर के लगभग 15 लोग ऐसे है, जो अतिक्रमण कर खेती कर रहे हैं। हमारा प्रयास गई कि जल्द ही तांदुला को अतिक्रमण मुक्त किया जाए।

काबिज कास्त नही हुआ घोषित

12 मई 1981 को अविभाजित दुर्ग जिले के समय बालोद के तत्कालीन तहसीलदार ने काबिज कास्त घोषित कर खेती कर रहे लोगो को पट्टा देने दुर्ग एसडीएम को अनुशंसा की थी। लेकिन काबिज कास्त घोषित नही हुआ और पट्टा नही मिला। तत्कालीन तहसीलदार ने अनुशंसा करते हुए लिखा था कि खसरा नम्बर 24 रकबा 11.46 जो पानी के नीचे दर्ज है, उसे धारा 237(2) काबिज कास्त घोषित कर राजस्व पुस्तिका परिपत्र खंड चार-3 के उपनियम 29 के अंतर्गत प्रीमियम लेकर व्यवस्थापन हेतु प्रतिवेदन संप्रेषित हैं।

दुर्ग में चली है पेशी

तांदुला नदी के डुबान क्षेत्र में खेती कर रहे लोचन ने बताया कि उनके दादा परदादा समय से वे खेती कर रहे हैं। करीबन 60 साल से खेती कर रहे है। अतिक्रमण है कहकर प्रशासन हमें बेदखल कर रहा है। जबकि यहां कुछ लोगों को पट्टा मिला है। बुधवार शाम को 4 बजे हमें बुलाकर कब्जा हटाने का निर्देश दिया गया था। जबकि सिर्फधान बो रहे है और काट रहे है, और कुछ नही कर रहे हैं। इसकी पेशी दुर्ग में भी चली है।

जल संरक्षण की दिशा में अभियान

इन दिनों जल से संरक्षण को लेकर जिला प्रशासन युद्ध स्तर पर कार्य कर रहा है। अभी हाल ही में नीर चेतना अभियान के तहत तांदुला नदी से जलकुम्भी हटाने और श्रमदान व जनसहयोग से साफ सफाई अभियान चलाया गया था, जिसके बाद अब तांदुला की तस्वीर बदल गई है। या यूं कहे तो जीवनदायिनी तांदुला को नया जीवन मिला है। वही जल संरक्षण की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकालीन में धान की फसल के बदले अन्यया फसल लेने लगातार किसानों को जागरूक किया जा रहा है। स्वंय कलेक्टर द्वारा लोगों से गर्मी सीजन में धान के बदले अन्य फसल लेने अपील भी की जा रही है।

सनातन संस्कृति, लोक परंपरा और विकास का संगम

बेमेतरा विधायक दीपेश साहू विभिन्न धार्मिक सांस्कृतिक आयोजनों में मुख्य अतिथि के रूप मे हुए सम्मिलित

बेमेतरा। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बुढ़ाजौंग, खाल्हे देवरी एवं भांठा देवरी में आयोजित धार्मिक, सांस्कृतिक एवं विकासात्मक कार्यक्रमों में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इन आयोजनों के माध्यम से क्षेत्र में सनातन संस्कृति, लोककला, भक्ति परंपरा और सामाजिक समरसता का भव्य एवं जीवंत स्वरूप देखने को मिला। ग्राम बुढ़ाजौंग में आयोजित पाँच दिवसीय श्री अखण्ड नवधा रामायण समारोह एवं मंडई कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए विधायक साहू ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करते हैं और हमारी

छत्तीसगढ़ी अस्मिता को सशक्त बनाते हैं। इस अवसर पर रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में महेश्वर दास द्वारा संचालित 'धरती के सिंगार' लोककला मंच की प्रस्तुति ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। विधायक साहू ने लोक कलाकारों की सराहना करते हुए कहा कि लोकसंस्कृति हमारी जड़ों से जुड़ने का सशक्त माध्यम है। इसके पश्चात ग्राम खाल्हे देवरी में आयोजित त्रि-दिवसीय सस्वर मानस गान प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर विधायक साहू ने भगवान श्री राम की विधिवत पूजा-अर्चना की एवं क्षेत्रवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने अपने उदबोधन में कहा कि रामकथा और मानस गान जैसे आयोजन न केवल धार्मिक चेतना को जागृत करते हैं, बल्कि समाज में सदभाव, नैतिकता और आपसी भाईचारे को भी मजबूत करते हैं। इसी क्रम में ग्राम भांठा देवरी में आयोजित श्री राम कथा मानस गान प्रतियोगिता के समापन दिवस में शामिल होकर विधायक साहू ने आयोजन समिति एवं ग्रामवासियों को सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। इस अवसर को विकास से जोड़ते हुए उन्होंने ग्राम पंचायत देवरी में 5 लाख 20 हजार की लागत से बनने वाले सीसी रोड निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन कर ग्रामीणों को विकास की सौगात भी दी। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ-साथ बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना है। विधायक दीपेश साहू ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने समस्त आयोजक मंडल, कलाकारों एवं ग्रामवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्रभु श्री राम से क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की कामना की। इस अवसर पर सरपंच सीमा नीलकंठ सियारे उपसरपंच गुमान साहू, पंच रेखा साहू पुष्पा साहू मुकेश साहू पुष्पा साहू तोषम पंच शकुंतला भुनेश्वर पंच थानसिंग पंच झम्मान चेतन साहू रेवती यादव पंच सुमन जेठू सरपंच संतोषी पुरैना उपसरपंच खेमचंद साहू भारत कोसले जनपद सदस्य लाल साहू मानाराम साहू सरजू साहू रघुवीर साहू बंदी मिर्जा पुनीत निषाद गोपाल साहू प्रीतम मिर्जा खेलन साहू डॉक्टर युवराज साहू गुलाल साहू दुखीराम साहू आत्माराम साहू सहित समस्त जनप्रतिनिधिगण ग्रामवासी क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

थलसेना अग्निवीर भर्ती अंतर्गत शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन 20 एवं 21 जनवरी को

दल्लीराजहरा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि थलसेना अग्निवीर भर्ती अंतर्गत शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन 20 एवं 21 जनवरी को आयोजन बाबू पंढरी राव कृदत्त इंडोर स्टेडियम आमातालाब धमतरी में किया जाएगा। जिसके अंतर्गत पुरूष अभ्यर्थी हेतु जनरल ड्यूटी, अग्निवीर टेक्नीकल, अग्निवीर क्लर्क, स्टोर कीपर टेक्नीकल एवं अग्निवीर ट्रेडमेन के पदों पर भर्ती की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले के अभ्यर्थियों के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन 20 एवं 21 जनवरी की तिथि निर्धारित है। उन्होंने बताया कि आयुक्त नगर निगम द्वारा जिले के अभ्यर्थियों के लिए धमतरी में रूकने की व्यवस्था की गई है। जिसमें अभ्यर्थियों द्वारा जारी किए गए प्रभारी अधिकारियों के मोबाईल नंबर से संपर्क ठहरने के संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त की जा सकती है। जिसके अंतर्गत सोनकर भवन राम बाग विंध्यवासनी वार्ड धमतरी के लिए व्यायाम शिक्षक अश्वनी पाटकर, सें सपंर्क किया जा सकता है। इसी तरह रैन बसेरा जिला अस्पताल धमतरी के लिए व्यायाम शिक्षक राजकुमार सिन्हा है। सामुदायिक मराठा मंगल भवन धमतरी के लिए व्यायाम शिक्षक गिरीश गजपाल है। राखेचा भवन साल्हेवारा पारा रोड धमतरी के लिए व्यायाम शिक्षक चेतन साहू है।

शहर में दो दिवसीय फ्लावर शो प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता 17-18 जनवरी को

बेमेतरा। नगर के प्रकृति-प्रेमियों और बागवानी से जुड़े शौकीनों के लिए एक बार फिर उत्साह का अवसर आ रहा है। बीते वर्षों की सफलता को आगे बढ़ाते हुए फ्लावर शो टीम, बेमेतरा द्वारा फ्लावर शो प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता 2025-26 का भव्य आयोजन 17 एवं 18 जनवरी 2026 को भवानी वाटिका, दुर्ग रोड, बेमेतरा में किया जा रहा है। आयोजन को लेकर नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। संस्था की प्रमुख सदस्यों भाग्यश्री पोल एवं रश्मि ताम्रकार ने जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन केवल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने और आम नागरिकों को पौधरोपण व बागवानी के प्रति प्रेरित करना है। फ्लावर शो के माध्यम से शहर के लोग अपने हुनर, रचनात्मकता और प्रकृति-प्रेम को एक सशक्त मंच पर प्रस्तुत कर सकेंगे। भाग्यश्री पोल एवं रश्मि ताम्रकार ने

बताया कि प्रदर्शनी में फूलों और पौधों से संबंधित विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी, जिसमें नगर सहित आसपास के क्षेत्रों के प्रतिभागी भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता की प्रमुख श्रेणियों में सबसे स्वस्थ फल या सब्ज़ी का पौधा, स्वस्थ फूलदार पौधा, रचनात्मक रूप से सजाया गया इंडोर प्लांट, औषधीय पौधों का संग्रह, होम गार्डन अथवा छत एवं किचन गार्डन, बोन्साई पौधा, कैक्टस पौधा तथा सबसे अनोखा संग्रह शामिल हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 51 का प्रवेश शुल्क निर्धारित किया गया है, जिसके अंतर्गत प्रतिभागी किसी भी तीन श्रेणियों में हिस्सा ले सकेंगे। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएँगे। प्रथम पुरस्कार 1500, द्वितीय पुरस्कार 1100 एवं तृतीय पुरस्कार 700 रखा गया है। इसके अतिरिक्त 10 प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार दिए जाएँगे। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर विशेष सम्मान के अंतर्गत सत्र 2024-25 के सबसे प्रेरणादायक प्रतिभागी तथा रचनात्मक बोन्साई प्रस्तुति के लिए चयनित प्रतिभागी को भी सम्मानित किया जाएगा। आयोजन से संबंधित जानकारी एवं पंजीयन हेतु रश्मि ताम्रकार, सुशील शर्मा, मनीष पटेल, भाग्यश्री पोल एवं रानी रवानी से संपर्क किया जा सकता है। आयोजकों ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। बहरहाल फ्लावर शो प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता न केवल प्रतिस्पर्धा का मंच है, बल्कि यह हरियाली, पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति से जुड़ाव का संदेश भी देता है। आयोजकों ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

राम जानकी मंदिर में संवेदना का उत्सव, दिव्य नेत्र 11 छात्र-छात्राओं को तिल-लड्डू खिलाकर दी विदाई

बेमेतरा। मकर संक्रांति जैसे पावन पर्व पर नवागढ़ राम जानकी मंदिर के महंत सुरेंद्र दास ने बतलाया कि मंदिर और मठ केवल पूजा-अर्चना का केंद्र नहीं, बल्कि मानवता और करुणा का जीवंत मंच भी हैं ,मंदिर के महंत सुरेंद्र दास एवं धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ सौरव निर्वाणी ने दिव्य नेत्र (दृष्टिबाधित) 11 छात्र-छात्राओं को मंदिर परिसर में तिल-लड्डू खिलाकर स्नेहिल उपहार सहित विदाई दी।

डॉ निर्वाणी ने इस अवसर पर कहा कि मकर संक्रांति आत्मशुद्धि, सेवा और सामाजिक समरसता का पर्व है,दिव्य नेत्र वाले बच्चे समाज की दया के नहीं, उसकी चेतना और शक्ति के प्रतीक हैं,ऐसे बच्चों के आत्मबल को बढ़ाना ही सच्चा धर्म है,उन्होंने कहा कि धर्म स्तंभ काउंसिल निरंतर समाज के वंचित और विशेष जरूरत वाले वर्गों के साथ खड़ी रहेगी। कार्यक्रम के दौरान दृष्टि बाधित छात्र छत्रक के चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास स्पष्ट दिखाई दिया मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं और समाजसेवियों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तिल-लड्डू के साथ उन्हें भी उपहार भी भेंट किए गए। पूरे आयोजन में भक्ति, संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का अनूठा संगम देखने को मिला। आयोजन ने यह संदेश दिया कि सनातन परंपरा केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि सेवा और सम्मान की जीवन शैली है।

नर्सरी क्रिकेट स्पर्धा में शामिल हुई निकाय की टीम जिला भाजपा महामंत्री डिकेश साहू हुए सम्मिलित

डोंगरगांव । नगर में शहीद तुकांत अहीर की स्मृति में नर्सरी इलेवन एवं मॉर्निंग ग्रुप द्वारा आयोजित क्रिकेट स्पर्धा में निकाय की टीम सम्मिलित हुई। स्पर्धा दरम्यान जिला भाजपा महामंत्री डीकेश साहू ने भी शिरकत कर आयोजन समिति व खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी सहित पार्षदों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। नपंअध्यक्ष ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की। आगामी वर्षों में भव्य एवं बेहतर करने प्रोत्साहित किया। उक्त अवसर पर पार्षदगण पुरुषोत्तम साहू, कोमल साहू, लीलाराम मंडलोई, लक्ष्मीनारायण सेन, पदमिनी ठाकुर, निर्मला मालेकर, गायत्री यादव, प्रफुल्ल राजा जैन के अलावा भाजयुमो नेता सागर वर्मा, प्रदीप साहू, ममता उके, कुसुम साहू सहित आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी टिंकू देवांगन एवं नगर के गणमान्य नागरिक तथा खेलप्रेमी उपस्थित थे।

बेमेतरा जिला के विभिन्न ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष की हुई घोषणा 7

बेमेतरा। बेमेतरा जिला के विभिन्न ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष की घोषणा कर दी गई है आशीष छाबड़ा अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा न सभी नव-नियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ व्यक्त किया। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बेमेतरा शहर अध्यक्ष रश्मि मिश्रा, बेमेतरा ब्लॉक ग्रामीण अध्यक्ष मिथलेश वर्मा, बेरला ब्लॉक अध्यक्ष सुमित (विवेक सिंह) राजपूत, साजा ब्लॉक अध्यक्ष ईश्वर वर्मा, नांदघाट ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र साहू, नवागढ़ अश्वनी अनंत, थानखम्हारिया ब्लॉक अध्यक्ष रोशन सिंहा, संबलपुर ब्लॉक अध्यक्ष गणेश राजपूत आशा है कि आप सभी कांग्रेस पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक मजबूती और जनसेवा के संकल्प को लेकर पूरी निष्ठा व ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे। आपके नेतृत्व में ब्लॉक स्तर पर संगठन और अधिक सशक्त होगा तथा जनता की आवाज़ मजबूती से उठेगी। सभी को उज्ज्वल कार्यकाल हेतु बधाई दी है ।

स्वामी आत्मानंद स्कूल बेमेतरा के छात्र-छात्राओं को अपराध के प्रति सजग रहने का दिया संदेश

बेमेतरा। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस टीम द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत यातायात जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों, विशेषकर छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है। इसी क्रम में 12 जनवरी 2026 को बेमेतरा यातायात पुलिस की टीम स्वामी आत्मानंद स्कूल बेमेतरा में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत यातायात जागरूकता अभियान के माध्यम से छात्रों और शिक्षकों को सड़क सुरक्षा के महत्वपूर्ण नियमों के बारे में जागरूक किया। इस कार्यक्रम में जेबरा क्रॉसिंग के सही उपयोग, ट्रैफिक सिग्नल का पालन, बिना लाइसेंस के वाहन न चलाने, और हेलमेट पहनने की अनिवार्यता पर विशेष बल दिया गया। छात्र-छात्राओं को सड़क पर सही लेन में चलने, दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी न बैठाने और मुड़ते समय इंडिकेटर के इस्तेमाल के महत्व को समझाया

गया। इसके साथ ही उन्हें बीच सड़क पर वाहन खड़ा न करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने और यातायात के अन्य नियमों के बारे में भी जानकारी दी गई। इस जागरूकता अभियान में बैनर और पोस्टर के माध्यम से भी नागरिकों को यातायात के प्रति सचेत किया गया। कार्यक्रम में बेमेतरा यातायात प्रभारी एवं रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, खेल एवं युवा कल्याण सहायक जिला खेल अधिकारी उपेन्द्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक मोहन लाल साहू, आरक्षक पारसमणी साहू, आशीष तिवारी, शशांक शर्मा एवं अन्य पुलिस स्टाफ सहित स्वामी आत्मानंद स्कूल बेमेतरा के शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया और यातायात नियमों का पालन करने का संकल्प लिया। यह अभियान जिले के हॉट-बाजारों, स्कूलों और कॉलेजों में निरंतर चलाया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा सके और सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। बेमेतरा पुलिस का यह प्रयास जनहित में सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ ही उन्हें कानूनी जानकारी भी उपलब्ध करा रहा है, जिससे जिले की सड़कों को सुरक्षित बनाया जा सके।

कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' के वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

दल्लीराजहरा। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने 14 जनवरी को जिला कार्यालय परिसर में 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' के शुभंकर 'मोर वीर' का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस दौरान कलेक्टर मिश्रा ने जिले में 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' के व्यापक प्रचार-प्रसार और आम लोगों को इससे जोड़ने के लिए पहुँचे 'मशाल गौरव यात्रा' वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उल्लेखनीय है कि भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' का

प्रथम संस्करण का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष आयोजन के व्यापक प्रचार-प्रसार और आम लोगों को इससे जोड़ने के लिए 'मशाल गौरव यात्रा' वाहन पूरे प्रदेश का भ्रमण कर नागरिकों को खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के महत्व की विस्तृत जानकारी प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं डिप्टी कलेक्टर प्राची ठाकुर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

पंपजल संरक्षण अभियान, उड़नदस्ता टीम गठित

बेमेतरा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रतिष्ठा ममगाईं के आदेशानुसार जिले में वर्ष 2025-26 में अपेक्षाकृत कम वर्षा के कारण उत्पन्न जल संकट की गंभीर स्थिति को देखते हुए ग्रीष्मकालीन पंपजल संरक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है। यह अभियान 01 जनवरी 2026 से 30 जून 2026 तक प्रभावशील रहेगा। आदेश में उल्लेख है कि भू-जल स्तर में अत्यधिक गिरावट को देखते हुए आगामी ग्रीष्म ऋतु में संभावित पेयजल संकट की रोकथाम हेतु यह निर्णय लिया गया है। अभियान के अंतर्गत ग्रीष्मकाल में धान की खेती एवं नवीन नलकूप खनन पर प्रतिबंध रहेगा। साथ ही, पंपजल के दुरुपयोग, अवैध दोहन तथा प्रतिबंधों के उल्लंघन पर छत्तीसगढ़ पेयजल संरक्षण अधिनियम 1986 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग से दुष्कर्म आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले की थाना छुरिया पुलिस ने एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के मामले में थाना बसंतपुर के सहयोग से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 12/01/2026 को थाना बसंतपुर जिला राजनांदगांव को जिला अस्पताल राजनांदगांव से एक अस्पताली मेमो प्राप्त हुआ, जिसमें एक नाबालिग पीड़िता 15 वर्ष की डिलेवरी होकर इलाजरत है। मेमो जांच दौरान पीड़िता के पिता के द्वारा एक लिखित आवेदन पत्र दिया जिसमें आरोपी कोमल साहू के द्वारा उसके नाबालिग लड़की 15 वर्ष को शादी का प्रलोभन देकर लगातार शारीरिक संबंध बनाया जिससे उसकी लड़की गर्भवती होकर एक पुत्री को जन्म दिया है कि शिकायत पर प्रथम दृष्टया धारा 64(2) (द्व), 65(1) बी. एन. एस. एवं 4, 6 पॉक्सो एक्ट का अपराध घटित करना पाए जाने पर बिना नंबरी का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण का मूल घटना स्थल थाना छुरिया जिला राजनांदगांव का होने से प्रारंभिक विवेचना बाद असल नंबरी अपराध पंजीबद्ध हेतु थाना बसंतपुर से केस डायरी थाना छुरिया प्राप्त होने पर थाना छुरिया में असल नंबरी का उक्त धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव अंकिता शर्मा द्वारा प्रकरण में त्वरित विवेचना कार्यवाही कर आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने निर्देश दिए जाने व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र नायक एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी डोंगरगढ़ आशीष कुंजाम के मार्गदर्शन में थाना बसंतपुर के सहयोग से छुरिया पुलिस के द्वारा मामले में विवेचना त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी कोमल साहू पिता पंचू साहू उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम आटरा थाना छुरिया जिला राजनांदगांव छ.ग.का पता तलास कर पूछताछ पर अपराध घटित करना पाए जाने पर आज दिनांक 14/01/2026 को विधिवत आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायलय के समक्ष पेश किया गया, जहां से आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है।

ढाबे में आतंक मचाने के मामले में फरार दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले के सोमनी थानाक्षेत्र स्थित एक ढाबे में आपसी विवाद पर चाकू व हॉकी स्टीक हाथ में लेकर आतंक मचाने के मामले में फरार दो आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार कर लिया है। मामले में तीन आरोपियों को पहले की गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया था कि दुर्ग निवासी शाहरूख, इजू इरानी, मुंसिफ खान उर्फ अद्दू पटेल एवं मुकेश सभी मेरे ढाबा (हाईवे ढाबा देवादा) में आये और फोन में मेरे भाई को गाली दिये हो कहकर गाली गलौच कर रहे थे। शाहरूख अपने हाथ मे हांकी स्टीक तथा इजु इरानी अपने हाथ मे चाकू रखा था और गाली गलौच कर ढाबे मे हंगामा कर चाकू एवं हांकी स्टीक लहराते मुझे गाली गलौज कर जान से मारने कि धमकी दी और कुछ देर तक ढाबा में रहे और फिर चले गये। प्रार्थी के रिपोर्ट पर धारा सदर का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया, प्रकरण की जानकारी तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दिया गया, बाद पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र नायक के मार्गदर्शन, नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी सोमनी निरीक्षक अरूण कुमार नामदेव द्वारा पुलिस टीम गठित कर आरोपी मुंसिफखान उर्फअद्दू पटेल एवं शाहरूख हुसैन को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था। वहीं मामले में फरार आरोपीगण इस्लाम अलि उर्फ इज्जू ईरानी पिता अख्तर अलि उम्र 34 साल निवासी ईरानी डेरा वार्ड क्रमांक 40 केलाबाड़ी दुर्ग थाना पद्मनाभपुर जिला दुर्ग, मुकेश नेताम उर्फ भांजा पिता नागराज उर्फ नागराजू नेताम उम्र 20 साल निवासी बुढ़ादेव मंदिर सिविल लाईन वार्ड नं. 43 दुर्ग थाना पद्मनाभपुर जिला दुर्ग को गिरफ्तार कर आरोपीगण के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक नग मोपेड, 01 नग धारदार चाकू एव 01 नग हॉकी स्टिक को जप्त किया गया है, आरोपीगणों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल दाखिल किया गया ।

जमीन विवाद पर भाई की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले के कोतवाली थानाक्षेत्र में घरेलू विवाद और जमीन बंटवारा की बात को लेकर भाई की हत्या करने वाला आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी हत्या करने के बाद फरार हो गया था किंतु पुलिस ने रिपोर्ट के चंद घंटे में आरोपी को किया गया गिरफ्तार कर लिया है तथा घटना में प्रयुक्त लोहे का एंगल जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 14.01.26 को प्रार्थी चंद्रमणी टैगोर ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया की उसका सगा भाई चंद्रभूषण राठौर आए दिन शराब पीकर घरेलू बात तथा जमीन बंटवारे को लेकर गाली- गलौज विवाद करता है जिसे प्रार्थी एवं उसके अन्य भाइयों के द्वारा समझाइश किया जाता है इसी तरह दिनांक 13.1.26 को रात्रि करीबन 8:30 बजे प्रार्थी का भाई चंद्रभूषण शराब के नशे में आकर अपने भाई और माँ को लगातार गाली -गलौज कर रहा था तथा जमीन बंटवारे को लेकर विवाद कर रहा था

एनीकट, सामाजिक भवन, पुल-पुलियों सहित कई घोषणाएं

मुख्यमंत्री ने जशपुर को 122 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की दी सौगात

- उज्ज्वला गैस योजना से 2 हजार से अधिक महिलाओं को गैस घरेलू कनेक्शन

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज जशपुर प्रवास के दौरान जिले में स्वास्थ्य, अधोसंरचना, जनकल्याण और सामाजिक विकास के कार्यों को ऐतिहासिक गति प्रदान की। उन्होंने जिले में 122 करोड़ से अधिक के विकास कार्यो का लोकार्पण एवं भूमिपुजन किया और उज्ज्वला योजना के तहत 2 हजार से अधिक महिलाओं को घरेलू गैस कनेक्शन प्रदान किए। मुख्यमंत्री श्री साय ने विकासखंड बगीचा में लगभग 2.43 करोड़ रूपए की लागत से नवनिर्मित 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण करते हुए इसे वनांचल और विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा सहित लगभग दो लाख की आबादी के लिए जीवनरेखा बताया। इस

आधुनिक स्वास्थ्य केंद्र में जनरल सर्जरी, ईएनटी, शिशु रोग, अस्थि रोग, स्त्री रोग सहित विशेषज्ञ सेवाएँ और आधुनिक लैब जांच की सुविधा उपलब्ध होगी तथा इसके सुचारु संचालन के लिए 100 मेडिकल और पैरामेडिकल स्टाफ की स्वीकृति दी जा चुकी है, जिससे गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अब लोगों को दूर शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने इसी परिसर में मेगा हेल्थ कैंप का शुभारंभ भी किया, जिसमें न्यूरो, नेफ्रोलॉजी, हड्डी रोग, स्त्रीरोग, ईएनटी, प्लास्टिक सर्जरी सहित सुपर-स्पेशलिस्ट डॉक्टरों ने हजारों लोगों की जांच, लैब टेस्ट और नि:शुल्क दवा वितरण किया तथा गंभीर रोगियों को उच्चस्तरीय अस्पतालों में रेफर करने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। उन्होंने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों तक भी गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा सुलभ हो और इसी लक्ष्य से जशपुर में मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, फिजियोथेरेपी कॉलेज और प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना की जा रही है। बगीचा में उज्जवला महोत्सव में मुख्यमंत्री श्री साय ने 2 हजार से अधिक महिलाओं को घरेलू गैस कनेक्शन प्रदान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उज्जवला योजना से महिलाओं को धुएँ से मुक्ति, स्वास्थ्य सुरक्षा और आत्मसम्मान मिला है। उन्होंने मुद्रा योजना के अंतर्गत युवाओं को रोजगार प्रारंभ करने के लिए ऋण का चेक वितरण भी किया तथा बगीचा में आत्मानंद स्कूल में अतिरिक्त कक्ष निर्माण, बगीचा-बिंदे मार्ग पर पुल, कन्हर नदी पर पुल और बगीचा रेस्ट हाउस के उन्नयन की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी जी की गारंटी पर जनता ने विश्वास जताया है और सरकार बनते ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख घर स्वीकृत किए गए, जिनमें से 8 लाख से अधिक पूर्ण हो चुके हैं, धान की 21 क्विंटल प्रति एकड़ खरीदी, 3100 रूपए प्रति क्विंटल भुगतान, बोनस भुगतान, तेंदूपत्ता दर वृद्धि और महतारी वंदन योजना से 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक-एक हजार रूपए की सहायता जैसे फैसलों से आमजन के जीवन में ठोस बदलाव आया है।

शीतलहर से सुरक्षा देने अलाव जलाने की प्रतिदिन नगर निगम की नियमित व्यवस्था

रायपुर /संवाददाता

प्रदेश की राजधानी रायपुर शहर में शीतलहर से आमजनों को सुरक्षा और त्वरित राहत देने नगर पालिक निगम के जोन कार्यालयों के माध्यम से जयस्तम्भ चौक के समीप, रेल्वे स्टेशन के पास, मेकाहारा परिसर, पुराना बस स्टेण्ड पंडरी, महोबा बाजार हॉट बाजार, सरोना बस्ती मुख्य मार्ग, परमानन्द नगर कोटा, सत्यम विहार कॉलोनी रायपुरा, नेताजी सुभाष स्टेडियम परिसर, बड़ा अशोक नगर, रोटरी नगर, टाटीबंध चौक के समीप, शंकर नगर, अवन्ति विहार कॉलोनी सहित राजधानी शहर में लगभग 30 से भी अधिक विभिन्न प्रमुख सार्वजनिक स्थानों में अलाव जलाने की प्रतिदिन नियमित व्यवस्था दी जा रही है. नगर निगम रायपुर द्वारा विभिन्न प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिदिन नियमित अलाव जलाने की व्यवस्था देने से इससे शहर के निवासी प्रतिदिन सैकड़ों आमजनों को लगातार बढ़ती शीतलहर से सहज बचाव सहित त्वरित राहत मिल रही है. रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर जोन कमिश्नरों द्वारा जोन स्वास्थ्य अधिकारियों के माध्यम से महादेवघाट रायपुरा श्री हनुमान मन्दिर के समीप और महोबा बाजार हॉट बाजार, मेकाहारा परिसर, पुराना बस स्टेण्ड पंडरी चंगोराभाठा बाजार, ब्रम्हदेईपारा,शिक्षक कॉलोनी डंगनिया, खमतराई चौक के पास, जयस्तम्भ चौक के पास, रायपुर जिलाधीश परिसर के सामने डॉ भीम राव अम्बेडकर प्रतिमा स्थल चौक के पास, नेताजी सुभाष स्टेडियम परिसर के पास, मोतीबाग, डंगनिया पानी टंकी स्कूल के समीप, शंकर नगर चौपाटी, तेलीबाँधा तालाब मरीन ड्राइव, अंतर राज्यीय बस स्टैण्ड भाठागांव, भाठागांव चौक के समीप, कुकरीपारा, दूधाधारी मठ मार्ग, सरोना, चंदनीडीह, कबीर नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी फेस-2, हीरापुर चौक सुलभ शौचालय काम्प्लेक्स के समीप , कबीर चौक रामनगर, गीतांजलि नगर शंकर नगर, जगन्नाथ चौक रामनगर, प्रियदर्शिनी नगर।

एसएसपी ने ली सड़क दुर्घटनाओं पर रोकथाम करने के लिए स्वास्थ अधिकारियों की बैठक

रायपुर/ संवाददाता

डॉ. लाल उमेद सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर ने ली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं घायलों को त्वरित चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराये जाने के संबंध में चिकित्सा अधिकारियों की बैठक हुई। जिसमें सीएमएचओ द्वारा सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को प्राथमिकता के आधार पर चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया। पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जिला रायपुर डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं घायल को त्वरित चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराकर उसकी जान बचाने के संबंध में जिले के चिकित्सा विभाग में पदस्थ चिकित्सा अधिकारियों की वर्चुवल बैठक आयोजित की गयी जिसमें मुख्य चिकित्सा अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग डॉ0 एम0 चौधरी सहित जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ अधिकारी वर्चुवली शामिल हुए। बैठक में डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा सड़क दुर्घटना में पहला घण्टा घायल व्यक्ति के लिए गोल्डन ऑवर होता है, इस दौरान यदि पीड़ित व्यक्ति को चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध करा दी जाए तो 90 प्रतिशत मामलों में घायल की जान बचाई जा सकती है। इसी उद्देश्य से रायपुर पुलिस द्वारा जिले के प्रत्येक गांवों से 7-8 की संख्या में युवाओं को पुलिस मितान बनाया गया है जिसे पुलिस मितान लिखा हुआ टी-शर्ट प्रदाय कर उनका आई.डी. कार्ड भी बनाया गया है। साथ ही उनका ड्रायविंग लायसेंस, आयुष्मान कार्ड आदि आवश्यक दस्तावेज दुरूस्त कराया गया है, जो कानून व्यवस्था ड्यूटी एवं यातायात व्यवस्था ड्यूटी के दौरान रायपुर पुलिस के सहयोगी के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहें है। वर्तमान में लगभग 4500 की संख्या में पुलिस मितान का रजिस्ट्रेशन हो चुका है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े गांव-बस्ती चलो अभियान के तहत भटगांव विधानसभा के महावीरपुर और संजय नगर पहुँचीं

कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब की बड़ी उपलब्धि

विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए एक करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति

- नवा रायपुर से आरंग तक विकास की नई लहर : अनेको ग्रामीण अधोसंरचना कार्यों को मिली स्वीकृति

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन के माननीय कैबिनेट मंत्री (कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, अनुसूचित जाति विकास विभाग) एवं आरंग विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक गुरु खुशवंत साहेब के प्रयासों से क्षेत्र में विकास कार्यों की झड़ी लग गई है। मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना वर्ष 2025-26 के अंतर्गत, आरंग विधानसभा और जिले के अन्य ग्रामीण क्षेत्रों के लिए कुल 17 विभिन्न निर्माण में 30 कार्यों हेतु 129.72 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रमुख निर्माण कार्यों का विवरण: गांव-गांव पहुंचेगी खुशहाली मंत्री की अनुशंसा पर स्वीकृत कार्यों में ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए व्यापक योजना तैयार की गई है— पंचायत एवं सामुदायिक भवन: ग्राम कोड़ापार में 12.93 लाख की लागत से नया पंचायत भवन बनेगा। इसके साथ ही बकतरा, गुखेरा, और कोहका में 6.50-6.50 लाख की लागत से सामुदायिक भवनों का निर्माण होगा। शिक्षा एवं सामाजिक सरोकार: ग्राम खुटेरी में 13 लाख की लागत से 'अटल सद्भावना भवन' का निर्माण किया जाएगा।

घरेलू विवाद में महिला की गला दबाकर हत्या की आरोपी, पति गिरफ्तार

रायपुर। को थाना पंडरिया क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लिंहाईपुर निवासी सरोजनी बंजारे पति दीप सागर बंजारे उम्र 31 वर्ष की मृत्यु की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई। मृतिका को परिजनों द्वारा उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोड़ला में भर्ती कराया गया था, जहां चिकित्सक द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। प्रकरण में प्राप्त पोस्टमार्टम रिपोर्ट का सूक्ष्मता से अवलोकन करने पर यह स्पष्ट हुआ कि मृतिका की मृत्यु गला दबाने से हुई है, जो हत्या की श्रेणी में आता है। गंभीर प्रकृति के इस अपराध को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कबीरधाम धर्मेन्द्र सिंह द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए थाना पंडरिया क्षेत्र का मामला होने से थाना प्रभारी पंडरिया नितिन कुमार तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय पुलिस अधिकारी पंडरिया भूपत सिंह के दिशा-निर्देशन में प्रकरण की विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान मृतिका के पति एवं ससुर को पूछताछ हेतु थाना लाया गया।

06 राईस मीलों को,07 समिति प्रबंधकों को शो कॉज नोटिस

- धान परिवहन में मिलर्स द्वारा ओवरलोड वाहनों का उपयोग
- सतर्क ऐप और सीसीटीवी द्वारा की जा रही निगरानी

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले के धान उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से उपार्जित धान का उठाव राईस मिलर्स द्वारा किया जा रहा है, जिले के कुछ राईस मिलर्स के द्वारा उपार्जन केन्द्रों से धान परिवहन में प्रयुक्त वाहनों को 200 प्रतिशत से अधिक ओवरलोड किया जा रहा है। उक्त संबंध में सतर्क ऐप से एलर्ट जारी हुआ, जिसकी जांच विभाग द्वारा की जा रही है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ओवरलोड वाहनों का प्रयोग करना छत्तीसगढ़ धान उपार्जन निति का उल्लंघन है। इस संबंध में मेसर्स जय शंकर इण्डस्ट्रीज, किशन एग्रो इण्डस्ट्रीज, मां गायत्री इण्डस्ट्रीज, ग्रीन एग्री कार्पो प्रा. लि., छापरियां एग्रो इण्डस्ट्रीज तथा गुरूनानक राईस मिल को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया। साथ ही उपार्जन केन्द्र टण्डवा, नरदाह, पटेवा, भैंसा, कोसरंगी, सिवनी तथा बिलाडी के समिति प्रबंधक / अध्यक्ष को भी संबंधित मिलर्स के वाहनों को ओवर लोड किये जाने की अनुमति दिये जाने पर कारण बताओं नोटिस जारी किया गया।

सचिव भौमिकी एवं खनिकर्म श्री पी. दयानंद की पत्रकार वार्ता

छग लीथियम खदान की नीलामी करने वाला देश का पहला राज्य बना

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण है। राज्य सरकार व्दारा खनिजों के विकास एवं दोहन के लिए की जा रही योजनाबद्ध कार्यवाही के परिणामस्वरूप राज्य के खनिज राजस्व में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है। छत्तीसगढ़ लीथियम खदान की नीलामी करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। श्री दयानन्द ने कहा कि राज्य गठन के समय 429 करोड़ खनिज राजस्व में वृद्धि करते हुये अपने रजत जयंती वर्ष 2024-25 तक 14,592 करोड़ का सोपान तय किया है तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 में माह दिसम्बर, 2025 तक खनिजों से राज्य शासन को लगभग 10,345 करोड़ राजस्व प्राप्त हो चुका है एवं वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक लगभग 17,000 करोड़ लक्ष्य की पूर्ति हेतु अग्रसर है। छत्तीसगढ़ राज्य देश में कुल खनिज उत्पादन का औसतन 17 प्रतिशत हिस्सेदारी में योगदान है तथा राज्य के कुल सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 10 प्रतिशत योगदान दे रहा है। सचिव ने बताया कि खान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी प्रधानमंत्री खनिज कल्याण क्षेत्र योजना गाईड लाईन-2024 के मार्गदर्शी सिद्धांतों को आत्मसात कर छत्तीसगढ़ जिला खनिज संस्थान न्यास नियम, 2015 में संशोधन किये गये है। अब तक डीएमएफ अन्तर्गत 16,742 करोड़ का अंशदान प्राप्ति हुई है जिसका खनन प्रभावित क्षेत्रों/लोगों के विकास हेतु 1.07,689 कार्यों की स्वीकृति की गई है, जिसमें से 75,901 कार्य पूर्ण हो गये है तथा शेष प्रगतिरत है। उन्होंने बताया कि डीएमएफ निधि के समायोजन द्वारा कुल जिला खनिज संस्थान अन्तर्गत होने वाले कार्यों का समुचित निगरानी, वित्तीय स्वीकृति, प्रबंधन एवं नियंत्रण एवं उत्तरदायिता के साथ कार्य किये जाने हेतु केन्द्र

सरकार के डीएमएफ पोर्टल की भांति राज्य डीएमएफ पोर्टल 2.0 लागू किया गया है। श्री दयानन्द ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा खनिज अधिनियम, 1957 में संशोधन करते हुए. देश में खनिजों की खोज हेतु राष्ट्रीय खनिज खोज विकास न्यास (एनएमईडीटी) गठन किया गया। उक्त न्यास मद में वर्ष 2015-16 से अब तक माह दिसम्बर 2025 तक 1,159 करोड़ रूपये जमा किया जा चुका है। सचिव ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री के मंशानुसार क्रिटिकल मिनरल्स को विकसित भारत 2047 की दृष्टिगत में अति-महत्वपूर्ण माना गया है। तत्संबंध में भारत सरकार द्वारा नेशनल क्रिटिकल मिशन लागू किया गया है। जिससे क्रिटिकल मिनरल्स की खोज एवं दोहन को बढ़ावा दिया जा रहा है। श्री दयानंद ने बताया कि छत्तीसगढ़ लीथियम खदान की नीलामी करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। केन्द्र सरकार द्वारा कोरबा जिले के कटघोरा तहसील अन्तर्गत लीथियम और दुर्लभ खनिज का नीलामी किया गया है। राज्य में लीथियम खदान खुलने से स्थानीय बेरोजगारों के लिए रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। वर्तमान परिदृश्य में क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मेनरल्स की महत्ता काफी बढ़ गई है, जिसके दृष्टिगत छत्तीसगढ़ राज्य के सुकमा तथा बस्तर जिले के बेंगपाल एलिंगनार कोमाकोलेंग क्षेत्र में लीथियम, नियोबियम, टेंटेलम तथा आरईई खनिज की खोज हेतु अधिसूचित प्रायवेट सेक्टर एक्सप्लोरेशन एजेंसियों के माध्यम से एनएमईटी के तहत् 01 परियोजना स्वीकृत की गई है।

संपादकीय

आखिर किस मोड़ पर आ खड़ा हुआ है बांग्लादेश?

बांग्लादेश में पिछले कुछ महीनों से जिस तरह की अराजकता बेलगाम होती देखी जा रही है, उससे साफ है कि बदलाव की मांग के साथ वहां जो आंदोलन शुरू हुआ था, वह अब दिशाहीन हो चुका है। अब वहां हो रही लक्षित हिंसा की घटनाएं व्यापक चिंता का कारण बन रही हैं। गौरतलब है कि पिछले दो दिनों में जिन दो लोगों की हत्या कर दी गई, उनकी सामुदायिक पहचान हिंदू थी। सोमवार रात को वहां के नरसिंगदी शहर में अज्ञात हमलावरों ने एक किराना दुकान के चालीस वर्षीय मालिक की हत्या कर दी। इस घटना से कुछ घंटे पहले ही जेस्सोर जिले में एक अन्य व्यापारी की सिर में गोली मार कर जान ले ली गई, जो एक अखबार के कार्यवाहक संपादक भी थे। इसके अलावा, एक विधवा से सामूहिक बलात्कार, उसका निर्मम उत्पीड़न करने और उसका वीडियो बना कर जारी कर देने की भी खबर आई। इससे पहले भी वहां हिंदू पहचान को निशाना बना कर हत्या की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं।साफ है कि बांग्लादेश में जारी हिंसा और अफरा-तफरी अब किसी खास एजंडे के तहत हो रही लगती है। वरना क्या कारण है कि एक ही प्रकृति की घटनाएं लगातार सामने आने और इसी वजह से नई जटिलताएं खड़ी होने के बावजूद वहां की अंतरिम सरकार इसे रोकने को लेकर कुछ भी ठोस कदम नहीं उठा रही है। यह बेवजह नहीं है कि लगातार और सरेआम हो रही हत्या की घटनाओं से स्थानीय अल्पसंख्यक समुदायों के आम लोगों और व्यापारियों के बीच असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है।अशांति और हिंसा की घटनाओं में तेजी की तात्कालिक वजह जुलाई, 2024 के विद्रोह के एक प्रमुख नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या हो सकती है, जो भारत का कट्टर आलोचक भी था। अगर हादी का मकसद देश को बदलना था, तो क्या उसका रास्ता यह होगा कि वहां के अल्पसंख्यक तबकों और खासतौर पर चुन कर हिंदू पहचान वाले निर्दोष लोगों की हत्या की जाए? फिर अगर अराजकता का यह सिलसिला जारी रहता है और वहां की सरकार तथा कानून-व्यवस्था संभालने वाली एजंसियां ऐसी घटनाओं को रोक नहीं पाती हैं, तो इसके क्या मायने निकाले जाएंगे? बांग्लादेश में तत्कालीन शेख हसीना सरकार के खिलाफ विद्रोह की घोषित वजहें चाहे जो रही हों, लेकिन आज वहां भीड़तंत्र जिस तरह हावी होता दिख रहा है।

विश्व में हिन्दी की बढ़ती साख: भारत में उपेक्षा क्यों?

विश्व में लगभग साठ-सत्तर करोड़ से अधिक लोग हिंदी बोलते, समझते या किसी न किसी रूप में उससे जुड़े हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी की उपस्थिति निरंतर बढ़ रही है। विश्व हिंदी सम्मेलन, जिसकी शुरुआत 1975 में नागपुर में हुई थी, आज एक वैश्विक वैचारिक आंदोलन का रूप ले चुका है। हर वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाने वाला विश्व हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक या प्रतीकात्मक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हिंदी भाषा की वैश्विक यात्रा, उसकी बढ़ती प्रतिष्ठा, उसके सामने उपस्थित चुनौतियों और हमारे अपने राष्ट्रीय आचरण की विडंबनाओं पर गहन चिंतन का अवसर है। यह दिन हमें उस ऐतिहासिक क्षण की स्मृति कराता है जब पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी बोली गई थी और भारत की सांस्कृतिक आत्मा ने विश्व मंच पर अपनी मौलिक पहचान दर्ज कराई थी। आज स्थिति यह है कि हिंदी विश्व में सम्मान, स्वीकार्यता और लोकप्रियता की नई ऊँचाइयों को छू रही है, लेकिन अपने ही देश में वह अपेक्षा, उपेक्षा और संकोच के बीच झूलती दिखाई देती है। यही विरोधाभास विश्व हिंदी दिवस को और अधिक प्रासंगिक बना देता है।

(ललित गर्ग)

इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में फैले हिंदी जानकारों, हिन्दीभाषियों को एकजुट करना, हिन्दी को विश्व स्तर पर स्थापित एवं प्रोत्साहित करना और हिंदी की आवश्यकता से अवगत कराना है। अंग्रेजी भाषा भले ही दुनियाभर के कई देशों में बोली है और लिखी जाती है लेकिन हिंदी हृदय की भाषा है। विश्व हिन्दी दिवस विश्व में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिये जागरूकता पैदा करने तथा हिन्दी को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिलाने का प्रभावी उपक्रम है। हिंदी मात्र संवाद की भाषा नहीं है, वह भारतीय सभ्यता, संस्कृति, संवेदना और सामूहिक चेतना की वाहक है। यह लोक से उपजी, लोक में पली और लोक के लिए ही जीने वाली भाषा है। हिंदी का सबसे बड़ा गुण उसकी सहजता, सरलता और वैज्ञानिक संरचना है। यह ध्वन्यात्मक भाषा है, जिसमें जैसा लिखा जाता है वैसा ही बोला जाता है, जिससे इसे सीखना और अपनाना अपेक्षाकृत सरल हो जाता है। यही कारण है कि जिन देशों में भारतीय प्रवासी बसे हैं, वहां हिंदी ने सहज ही अपनी जड़ें जमा ली हैं। एशिया, अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका तक हिंदी आज केवल भारतीयों की भाषा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संवाद की भाषा बनती जा रही है। योग, आयुर्वेद, भारतीय दर्शन, बॉलीवुड, भक्ति साहित्य और डिजिटल माध्यमों ने हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह दुनिया की तीसरी या चौथी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, अंग्रेजी और मंदारिन चीनी के बाद, और भारत के साथ-साथ नेपाल, मॉरीशस, फिजी जैसे देशों में भी इसका व्यापक उपयोग है और यह विश्व स्तर पर लोकप्रिय हो रही है।

विश्व में लगभग साठ-सत्तर करोड़ से अधिक लोग हिंदी बोलते, समझते या किसी न किसी रूप में उससे जुड़े हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी की उपस्थिति निरंतर बढ़ रही है। विश्व हिंदी सम्मेलन, जिसकी शुरुआत 1975 में नागपुर में हुई थी, आज एक वैश्विक वैचारिक आंदोलन का रूप ले चुका है। इन सम्मेलनों ने यह सिद्ध किया है कि हिंदी केवल भावनाओं या साहित्य की भाषा नहीं, बल्कि विचार, विज्ञान, कूटनीति और वैश्विक संवाद की भी सक्षम भाषा है। हिंदी को वैश्विक मंच पर आत्मसम्मान और स्वाभिमान के साथ प्रस्तुत करने का श्रेय यदि किसी भारतीय नेता को जाता है, तो वे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी हैं। 1977 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में दिया गया उनका भाषण केवल भाषण नहीं था, बल्कि वह एक सांस्कृतिक उद्घोषणा थी। अटल बिहारी वाजपेयी ने यह सिद्ध कर दिया कि हिंदी में भी अंतरराष्ट्रीय राजनीति, शांति, निरस्त्रीकरण और मानवता जैसे गहन विषयों पर प्रभावी संवाद संभव है। उनके लिए हिंदी भावुक आग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्रबोध की सशक्त अभिव्यक्ति थी। उन्होंने हिंदी को सत्ता की भाषा बनाने का प्रयास नहीं किया, बल्कि उसे संवाद और आत्मगौरव की भाषा के रूप में प्रतिष्ठित किया।

वैश्वीकरण और उदारीकरण के दौर में हिंदी की यात्रा कुछ हद तक धीमी अवश्य हुई, विशेष रूप से शासन और उच्च प्रशासनिक स्तर पर। अंग्रेज़ी को आधुनिकता, सफलता और वैश्विकता का प्रतीक मान लिया गया, जबकि हिंदी को प्रायः भावनात्मक या घरेलू दायरे में सीमित कर दिया गया। शिक्षा, न्यायपालिका, कॉर्पोरेट जगत और उच्च प्रशासन में हिंदी अपेक्षित स्थान नहीं बना सकी। हालांकि हिंदी साहित्य, पत्रकारिता और सिनेमा ने इस दौर में भी अपनी सृजनात्मक ऊर्जा बनाए रखी, लेकिन नीतिगत स्तर पर हिंदी को वह प्राथमिकता नहीं मिल पाई जिसकी वह हकदार थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में हिंदी ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ उपस्थिति दर्ज कराई है। वे विश्व के किसी भी मंच पर हिंदी में बोलने से संकोच नहीं करते। संयुक्त राष्ट्र महासभा, जी-20 सम्मेलन, शंघाई सहयोग संगठन या प्रवासी भारतीयों के कार्यक्रम, हर जगह उनकी हिंदी यह संदेश देती है कि अपनी भाषा में बोलना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। नरेंद्र मोदी ने हिंदी को अनुवाद की बैसाखी के सहारे नहीं, बल्कि उसकी मौलिक शक्ति के साथ प्रस्तुत किया। डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया जैसे अभियानों में हिंदी को केंद्र में रखा गया, जिससे आम नागरिक का शासन से संवाद अधिक सुलभ और प्रभावी हुआ। सरकारी योजनाओं, मोबाइल ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर हिंदी की बढ़ती उपस्थिति ने यह सिद्ध किया कि तकनीक और हिंदी एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं।

इसके बावजूद यह एक कटु सत्य है कि हिंदी आज विश्व में जितनी प्रतिष्ठित हो रही है, उतनी ही अपने ही देश में उपेक्षित होती जा रही है। अंग्रेज़ी को सामाजिक प्रतिष्ठा और बौद्धिक श्रेष्ठता का पैमाना बना दिया गया है। माता-पिता अपने बच्चों को अंग्रेज़ी माध्यम में पढ़ाकर गर्व महसूस करते हैं, जबकि हिंदी माध्यम को हीन दृष्टि से देखा जाता है। यह समस्या भाषा की नहीं, मानसिकता की है। यह मानसिक गुलामी है, जो हमें अपनी ही भाषा से दूर करती जा रही है। राजनीतिक दल हिंदी की बात तो करते हैं, लेकिन उसे शिक्षा, न्याय और प्रशासन की मुख्यधारा में स्थापित करने के लिए ठोस इच्छाशक्ति का अभाव दिखाई देता है। हिंदी एक वैज्ञानिक भाषा भी है, यह तथ्य अक्सर उपेक्षित रह जाता है। इसकी वर्णमाला उच्चारण विज्ञान पर आधारित है। इसमें नए शब्द गढ़ने और विदेशी शब्दों को आत्मसात करने की अद्भुत क्षमता है। संस्कृत से जुड़ी होने के कारण यह तकनीकी, दार्शनिक और वैज्ञानिक शब्दावली के निर्माण में पूरी तरह सक्षम है। हिंदी में भावनाओं की अभिव्यक्ति जितनी सहज है, उतनी ही तार्किक और बौद्धिक विमर्श की भी क्षमता है। यही कारण है कि हिंदी जनभाषा होते हुए भी वैश्विक संवाद की भाषा बनने की पूरी क्षमता रखती है।

सच्चाई तो यह है कि देश में हिंदी अपने उचित सम्मान को लेकर जूझ रही है। राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान आजादी के अमृत महोत्सव मना चुके राष्ट्र में अंग्रेजी को मिल रहा है। अंग्रेजी और अन्य विदेशी भाषाओं की सहायता जरूर ली जाए लेकिन तकनीकी एवं कानून की पढ़ाई एवं राजकाज की भाषा के माध्यम के तौर पर अंग्रेजी को प्रतिबंधित या नियंत्रित किया जाना चाहिए। आज भी भारतीय न्यायालयों में अंग्रेजी में ही कामकाज होना राष्ट्रीयता को कमजोर कर रहा है। हिन्दी के बहुआयामी एवं बहुतायत उपयोग में ही राष्ट्रीयता की मजबूती है, जीवन है, प्रगति है और शक्ति है किन्तु इसकी उपेक्षा में विनाश है, अगति है और स्खलन है। एथनोलॉग के वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के 22वें संस्करण में बताया गया है कि दुनियाभर की 20 सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में 6 भारतीय भाषाएं हैं, इनमें हिंदी विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन गयी है। हिंदी का भविष्य उज्ज्वल है, लेकिन यह भविष्य तभी साकार होगा जब हम स्वयं अपनी

दुनिया के नक्शे में कहां है ग्रीनलैंड? इसके लिए क्यों आक्रामक हैं डोनाल्ड ट्रंप

(यशवीरसिंह)

अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि रूस और चीन आर्कटिक क्षेत्र में अपनी सैन्य और नौसैनिक मौजूदगी बढ़ा रहे हैं। ऐसे में ग्रीनलैंड अमेरिका को इन गतिविधियों पर नजर रखने और संभावित मिसाइल खतरों को समय रहते पहचानने में मदद करता है।

डेनमार्क का ग्रीनलैंड इन दिनों सुर्खियों में है। वजह है अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ग्रीनलैंड पर 'कब्जा' करने से जुड़ा बयानज डोनाल्ड ट्रंप के इस बयान से न सिर्फ डेनमार्क बल्कि पूरे यूरोप में हड़कंप मचा हुआ है।

डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को बयान के बाद एक इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका लंबे समय से चले आ रहे समझौते पर निर्भर रहने के बजाय पूरे ग्रीनलैंड का स्वामित्व चाहते हैं। ट्रंप जिस समझौते की बात कर रहे थे, उसके तहत अमेरिका को डेनमार्क और ग्रीनलैंड की सहमति से वहां सैन्य अड्डे स्थापित करने के व्यापक अधिकार प्राप्त हैं।

कहां है ग्रीनलैंड?

ग्रीनलैंड कहां हैं? इस पर बात करने से पहले बात करते हैं डेनमार्क परज डेनमार्क यूरोप का एक देश है। डेनमार्क मुख्य रूप से जमीन के तीन टुकड़ों में बंटा हुआ है। पहला, डेनमार्क - जो मुख्य यूरोपीय भूमि है। इसमें जूटलैंड प्रायद्वीप और कई बड़े द्वीप (जैसे ज़ीलैंड, फ़्यून, बोर्नहोम) शामिल हैं।

दूसरा ग्रीनलैंड - यह उत्तरी अटलांटिक और आर्कटिक सागर के बीच स्थित दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है। यह डेनमार्क राज्य का स्वायत्त क्षेत्र है। यह भौगोलिक रूप से उत्तरी अमेरिका का हिस्सा माना जाता है, लेकिन राजनीतिक और प्रशासनिक रूप से किंगडम ऑफ डेनमार्क का हिस्सा है। तीसरा फैरो आइलैंड्स -यह द्वीपसमूह उत्तरी अटलांटिक सागर में मौजूद है और डेनमार्क के लिए एक स्वायत्त क्षेत्र है।

ग्रीनलैंड का स्थान आर्कटिक में अत्यंत रणनीतिक और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण है। यह कनाडा के एक द्वीप के साथ करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। रूस, चीन और अमेरिका के बीच चल रही वर्तमान प्रतिस्पर्धा के दौर में यह स्थान और महत्वपूर्ण हो जाता है। ग्रीनलैंड के पास प्राकृतिक संसाधन और समुद्री मार्ग हैं जिनके कारण भूमि का महत्व और भी बढ़ जाता है। ग्रीनलैंड में करीब 56,000 लोग रहते हैं। इनमें ज्यादातर इनुइट समुदाय से हैं। ग्रीनलैंड की अर्थव्यवस्था ज्यादातर मछली पकड़ने पर निर्भर है। इसके अलावा वहां के लोगों को डेनमार्क सरकार से आर्थिक मदद के रूप में सब्सिडी मिलती है। ग्रीनलैंड की राजधानी नूक और डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन के बीच सीधी दूरी (विमान मार्ग) लगभग 3,540 किलोमीटर है। नूक (ग्रीनलैंड) और कोपेनहेगन (डेनमार्क) के बीच की दूरी तय करने में सीधी फ्लाइट के जरिए लगभग साढ़े चार से पांच घंटे का समय लगता है।

वर्तमान हालातों को देखकर लगता है कि अमेरिका इस बार ग्रीनलैंड को लेकर ज्यादा सीरियस है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने गुरुवार को ही मीडिया से बातचीत में कहा है कि यूरोपीय नेताओं को अमेरिकी राष्ट्रपति को गंभीरता से लेना चाहिए। जेडी वेंस ने कहा, हम अपने यूरोपीय मित्रों से कह रहे हैं कि वे उस भूभाग की सुरक्षा को अधिक गंभीरता से लें, क्योंकि अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो अमेरिका को कुछ कदम उठाने पड़ेंगे। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, शीत युद्ध के समय अमेरिका ने ग्रीनलैंड में परमाणु मिसाइलें लगाने की योजना बनाई थी, लेकिन तकनीकी दिक्कतों और डेनमार्क के विरोध के कारण यह योजना रद्द कर दी गई। ग्रीनलैंड में स्थित पिटुफ़िक स्पेस बेस (पहले थुले एयर बेस) को अमेरिका द्वितीय विश्व युद्ध से चला रहा है। आज यह बेस मिसाइलों पर नजर रखने का काम करता है। हाल के वर्षों में ग्रीनलैंड के खनिज संसाधनों में दुनिया की रुचि बढ़ी है। यहां रेयर अर्थ खनिज, यूरेनियम और लोहा मिल सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यहां तेल और गैस भी हो सकते हैं। ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण बर्फ पिघल रही है, जिससे इन संसाधनों तक पहुंचना आसान हो सकता है।

राष्ट्रीय युवा दिवस 12जनवरी...

राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी ... रोम - रोम में बसता था दर्शन शास्त्र

स्वामी विवेकानंद एक ऐसा गर्व पैदा करने वाला नाम बन चुका है , जो हमारे देश के संतों - महंतों को भी उनके आदर्शों को आत्मसात करने प्रेरित करता चला आ रहा है । आखिर ऐसी क्या विशेषता थी स्वामी जी में कि उनके कहे शब्दों और उनके द्वारा चुने मार्ग पर चलने से परहेज नहीं किया जा सकता ? खुद किशोर उम्र से युवा होते हुए उन्होंने जो अनुभूति की उसके आधार पर वे युवाओं को हर समस्या का हल माना करते थे । स्वामी विवेकानंद जी ने भारतवर्ष में विघटित होते जीवन मूल्यों की पुनर्स्थापना के लिए युवा पीढ़ी पर ही भरोसा किया ! महिमा मंडित भारत भूमि के आध्यात्मिक वैभव के क्षरण और निष्क्रिय होती युवा चेतना की सुषुप्तावस्था को देख जैसे उनकी आत्मा हाहाकार कर उठती थी ! उन्होंने सिंह गर्जना करते हुए राष्ट्र की सुषुप्त युवा चेतना को झकझोर कर जगाते हुए आव्हान किया -÷ उठो ! जागो ,आलस्य , दुर्बलता तथा मोह को त्यागो और तब तक चैन न लो, जब तक अभीसिप्त लक्ष्य को प्राप्त न कर लो । ÷ स्वामी जी युवाओं में उत्कृष्ट संस्कारों का जागरण करना चाहते थे । उनकी स्पष्ट धारणा थी कि संस्कार समाज की शिराओं में बहने वाले रक्त की भांति होते हैं । इसी से समाज का उन्नयन होता है । दूसरी ओर इसे नकारने से ही समाज पतन की ओर अग्रसर होने लगता है । उनकी चिंता इस रूप में संजोई नजर आती है कि - ÷ युवा चेतना नास्तिक हो जाए तो उतनी खतरनाक नहीं होती , जितनी कु - संस्कारी होने पर होती है । ÷ कारण यह कि नास्तिक को तो राह पर लाया जा सकता है , किंतु कु - संस्कारी को विनाश के गर्त से बचाना असंभव है !

हम स्वामी विवेकानंद जी को महापुरुषों की प्रेरणा मान सकते हैं । प्राचीन भारत में युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत एवं महान स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस खुद विवेकानंद जी के विचारों से प्रभावित थे । उन्होंने स्वयं लिखा था - ÷ स्वामी विवेकानंद इतने महान , गहन और बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे कि मैं घंटों लिखकर भी उस महापुरुष की महिमा के प्रति न्याय नहीं कर सकूंगा । वे विश्व के पहले ऐसे सर्वोच्च योगी थे , जिन्होंने ब्रह्म साक्षात्कार करने के बाद भी स्वदेश एवं मानवता के नैतिक और आध्यात्मिक उत्थान के लिए अपना संपूर्ण जीवन अर्पित कर दिया। आज यदि वे जीवित होते तो मैं उनके चरणों में होता । जहां तक मेरा ख्याल है , वर्तमान भारत उन्हीं की कृति है । ÷ स्वामी विवेकानंद जी युवाओं से कहा करते थे - ÷ न तो कीड़े - मकोड़ों की तरह जिएं और न ही उनकी तरह मरें , तेरे - मेरे जैसे न जाने कितने कीड़े पैदा होते और मरते रहते हैं । ÷ वे कहा करते थे तुम लोग देश की आशा हो । तुम्हें कर्महीन देख मुझे कष्ट होता है । लग जा , काम में लग जा ...विलंब न कर । मृत्यु तो दिनोदिन निकट आ रही है - ÷ बाद में करूंगा कहकर , बैठा मत रह ! यदि बैठा रहेगा तो फिर तुझ से कुछ भी न हो सकेगा । ÷

युवाओं को शक्तिशाली और ऊर्जावान बनाने पर उनका सर्वाधिक ध्यान था । आज हमें जिसकी जरूरत है , वह है लोहे के पुट्ठे और फौलाद के स्नायु की । हम लोग बहुत दिन रो चुके । अब रोने की आवश्यकता नहीं । अब अपने पैरों पर खड़े हो जाओ और ÷मर्द ÷ बनो । हमें ऐसे धर्म की आवश्यकता है जिससे हम मनुष्य बन सकें । हमें ऐसे सिद्धांतों की जरूरत है जिससे हम मनुष्य कहला सकें । हमें ऐसी सर्वांग सिद्ध शिक्षा चाहिए ,जो हमें मनुष्य की पहचान दिला सके । स्वामी जी युवाओं में अभय जगाना चाहते थे । ऐसी पीढ़ी जिसमें डर नाम की चीज न हो । वे उठें तो सारा संसार उठ खड़ा हो और चले तो सारा संसार चलने लगे । स्वामी जी का स्वयं का जीवन इस कथन का जीता जागता उदाहरण रहा है । वे अपने जीवन में किसी से नहीं डरे । न किसी मनुष्य से और न ही किसी परिस्थिति से । वे युवाओं का आव्हान करते हुए कहा करते थे - ÷ निः स्वार्थ बनो और कभी एक मित्र को पीठ पीछे दूसरे की निंदा करते मत सुनो । भविष्य की पचास सदियां तुम पर ही निर्भर हैं । वह तुम्हारी ओर निहार रही हैं । बस काम करते जाओ । यह विश्वास रखो तुम्हें कोई रोक न सकेगा । सत्य पर डटे रहो । भले थोड़ा समय लगे पर तुम सफल अवश्य होओगे । ÷

स्वामी जी का जीवन पूरे विश्व के लिए बहुत बड़ा एनसाइक्लोपीडिया बन चुका है । पन्ने पलटते जाएं और किस्सों की दुनिया में खोते चले जाएं । यदि स्वामी जी के जीवन में घटित घटनाओं को लेख बद्ध किया जाए तो ग्रन्थ नहीं ग्रंथों की रचना की जा सकती है । स्वामी जी का एक बड़ा ही रोचक किस्सा उनके पैरों का विदेशी जूता हमें यादों की दुनिया में ले जा रहा है । एक बार स्वामी जी अमेरिका में स्वदेशी पर बोल रहे थे , किंतु स्वयं विदेशी जूता उनके पैरों की शान बढ़ा रहा था । एक अंग्रेज महिला ने उन्हें उस पर टोका । स्वामी जी ने बड़ी सहजता के साथ कहा - ÷ मै अंग्रेजों के स्थान को बताने के लिए कभी - कभी ऐसे जूते पहन लिया करता हूं । ÷ स्वामी जी का सहज उत्तर हमें बताता है कि किस तरह उन्होंने विनोदी और प्रभावशाली अंदाज में अपनी बात रखी और अंग्रेजों को उनका स्थान दिखा दिया ! इसी तरह का एक किस्सा एक राजा के प्रश्न से जुड़ा हुआ है । एक राजा ने स्वामी जी से पूछा लोग मिट्टी - पत्थर की मूर्ति को क्यों पूजते हैं ? स्वामी जी ने राजा को उनके पिता की तस्वीर पर थूकने के लिए कहा , जिससे राजा की त्यौरियां चढ़ गई । स्वामी जी ने उन्हें समझाया जैसे तस्वीर में पिता के दर्शन होते हैं वैसे ही मूर्ति में ईश्वर के । स्वामी जी का तर्क हमें बताता है कि भावना और श्रद्धा ही सब कुछ है ।

हम समझ सकते हैं कि हमारे देश में धर्मों की विविधता के बावजूद स्वामी विवेकानंद का एकता , सहिष्णुता और आपसी समझ का संदेश आज भी दुनिया में महत्वपूर्ण स्थान रखता है । आज जहां धार्मिक संघर्ष और उग्रवाद निरंतर समस्याएं बनी हुई हैं , स्वामी जी की शिक्षा अधिक शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण समाज को बढ़ावा देने में मदद कर सकती हैं । स्वामी जी पहले ऐसे संत और दर्शनशास्त्री थे जिन्होंने पश्चिम के सामने भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं के महत्व को उजागर कर दिखाया । भारतवर्ष हमेशा से संतों - महंतों की भूमि रही है । यहां जन्मीं महान विभूतियों ने पूरे विश्व में अपने संदेशों का संचार कर मानवीय जीवन को जो सुकून दिया है वह आज भी हमें गौरवान्वित कर रहे हैं । ऐसे ही संतों में सबसे ऊपर स्थान रखने वाले महान दार्शनिक स्वामी विवेकानंद जी ने भारतवर्ष को आध्यात्म के जिस स्थान पर स्थापित किया वह आने वाली कई पीढ़ियों को उनके कर्तव्य की याद दिलाता रहेगा ।

डॉ.सूर्यकांत मिश्रा
राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)
9425559291.

पंचायत से एनओसी लेकर किया निर्माण, फिर भी तोड़फोड़ की कार्यवाही

पीड़ित पक्ष ने द्वेषपूर्ण कार्रवाई का लगाया आरोप

भानुप्रतापपुर। ग्राम पंचायत बांसला में सामुदायिक भवन के ऊपर बने मकान को लेकर गुरुवार को पंचायत एवं प्रशासन की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। इस दौरान सामुदायिक भवन एवं उसके ऊपर बने मकान से सारा सामान बाहर निकलवाया गया तथा भवन में बनी सीढ़ी और सामने डाले गए शेड को जेसीबी मशीन से तोड़ दिया गया। कार्रवाई के समय भानुप्रतापपुर तहसीलदार, ग्राम पंचायत बांसला के सरपंच, सचिव एवं पंचगण मौजूद रहे। पहले मकान को पूरी तरह खाली कराया गया, इसके बाद सीढ़ी तोड़कर टीम वापस लौट गई। इस कार्रवाई पर पीड़ित पक्ष ने गंभीर सवाल उठाते हुए इसे एकतरफा और द्वेषपूर्ण बताया है।

पंचायत का पक्ष – बांसला पंचायत से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बांसला निवासी परमेश्वर चक्रधारी एवं उनके भाई यशवंत चक्रधारी को शासकीय सामुदायिक भवन एवं उसके ऊपर कथित रूप से किए गए अवैध निर्माण से अतिक्रमण हटाने के लिए पूर्व में नोटिस जारी किया गया था। नोटिस के बावजूद भवन खाली नहीं किए जाने पर पंचायत ने शासन-प्रशासन के सहयोग से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की।

टेराकोटा प्रशिक्षण से जुड़ा मामला – परमेश्वर चक्रधारी ने बताया कि वे वर्षों से कुम्हार समाज को टेराकोटा शिल्प कला का प्रशिक्षण देते आ रहे हैं। उनके कार्य को देखते हुए वर्ष 2008-09 में प्रशासन द्वारा उनकी ही जमीन पर एक भवन का निर्माण कराया गया था। समय के साथ भवन जर्जर हो गया। मरम्मत की मांग करने पर पंचायत ने राशि के अभाव की बात कही, जिसके बाद परमेश्वर चक्रधारी एवं यशवंत चक्रधारी ने अपने खर्च से भवन की सुरक्षा के लिए ऊपर सिट लगाकर अतिरिक्त निर्माण कराया। इसके लिए वर्ष 2024 में पंचायत से विधिवत एनओसी भी प्राप्त की गई थी। पीड़ित पक्ष का कहना है कि सरपंच बदलने के बाद इस निर्माण पर आपत्ति जताई जाने लगी और इसे अतिक्रमण घोषित कर नोटिस जारी किया गया। लिखित जवाब पर विचार किए बिना 15 जनवरी को प्रशासन द्वारा भवन खाली कराकर सील कर दिया गया।

भ्रष्टाचार उजागर करने का बदला लेने का आरोप – पत्रकार यशवंत चक्रधारी ने आरोप लगाया कि कुछ माह पूर्व ग्रामीणों द्वारा पंचायत में हैंडपंप मरम्मत के नाम पर एक लाख इक्यासी हजार रुपये की अनियमित निकासी की शिकायत की गई थी, जबकि जमीनी स्तर पर कोई कार्य नहीं हुआ। इस संबंध में खबर प्रकाशित होने के बाद सरपंच एवं उपसरपंच द्वारा गाली-गलौज, मारपीट और मकान तोड़ने की धमकी दी गई। यशवंत चक्रधारी का कहना है कि उसी शिकायत और खबर का बदला लेने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई। उनके अनुसार मकान एवं भूमि से संबंधित सभी दस्तावेज उनके पास उपलब्ध हैं, जिन्हें ग्राम पंचायत, तहसील कार्यालय, एसडीएम कार्यालय एवं कलेक्टर कार्यालय में आवेदन के साथ संलग्न कर प्रस्तुत किया गया है, लेकिन अब तक उन पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। पीड़ित पक्ष ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने की मांग की है।

पीड़ित पक्ष का दावा

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि जिस भूमि पर निर्माण किया गया है, वह उनके कब्जे एवं पटटे की जमीन है। उसी भूमि पर पहले पंचायत द्वारा शासकीय सामुदायिक भवन का निर्माण कराया गया था। बाद में पंचायत से विधिवत एनओसी जारी कर भवन के ऊपर अतिरिक्त निर्माण की अनुमति दी गई, जिसके बाद निर्माण कराया गया। पीड़ितों का कहना है कि पंचायत में उनके द्वारा लिखित जवाब भी प्रस्तुत किया गया था, लेकिन प्रशासन ने उसे नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि वास्तव में अतिक्रमण था, तो उसे पूरी तरह क्यों नहीं हटाया गया? गुरुवार को पंचायत के सभी जनप्रतिनिधि एवं तहसीलदार मौके पर पहुंचे, ग्रामीणों की मदद से भवन को खाली कराया गया और केवल सीढ़ी तोड़कर कार्रवाई समाप्त कर दी गई, जिससे संदेह की स्थिति बनती है।

कुलगांव में दर्दनाक सड़क हादसे में दो की मौत, 16 घायल
नवरंगपुर उड़ीसा से पखांजूर मेला के लिए निकले थे सभी यात्री

कांकेर। अनियंत्रित यात्री टैक्सी (तूफान) ने एक बार फिर दो जिंदगी को अपने आगोस में ले लिया। शहर से सटे ग्राम कुलगांव में हुए भीषण सड़क हादसे ने परिजनों को झकझोर दिया है। ओडिशा के नवरंगपुर जिले से पखांजूर मेला देखने जा रही यात्रियों से भरी एक टैक्सी तूफान अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे नाले में जा गिरी। इस दर्दनाक हादसे में एक पुरुष और एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वाहन में सवार 18 लोगों में से 16 गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में तीन की हालत नाजुक बनी हुई है, जिन्हें बेहतर उपचार के लिए रायपुर रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ओमनी बस क्रमांक सीजी 17 केजे 8609 कुलगांव के पास तेज रफ्तार में थी। जैसे ही वाहन एक मोड़ पर पहुंचा, चालक संतुलन खो बैठा और टैक्सी सीधे सड़क से फिसलते हुए नाले में जा समाई। हादसा इतना भयावह था कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और अंदर बैठे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। चीख-पुकार सुनकर आसपास के

ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल राहत कार्य शुरू किया। इस हादसे में टैक्सी चालक व वाहन मालिक ओमप्रकाश कार्ला, निवासी बोरगांव, केशकाल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरी मृतका महिला की पहचान मिताली मजूमदार, पति निर्मल मजूमदार, निवासी भामा कुंदई, जिला नवरंगपुर (ओडिशा) के रूप में हुई है। दोनों की असामयिक मौत से उनके परिवारों में मातम पसरा हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस एवं यातायात पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। स्थानीय नागरिकों के सहयोग से घायलों को नाले से बाहर निकाला गया और एंबुलेंस के माध्यम से जिला कोमलदेव मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों को सिर, हाथ-पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। चिकित्सकों के अनुसार तीन घायलों की स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। हादसे में घायल यात्रियों में प्रमुख रूप से मनोरोग पारबिल (40 वर्ष), निवासी कुंदई, जिला नवरंगपुर (ओडिशा); दीनबंधु विश्वास (27 वर्ष), पिता रसभेत्र विश्वास; पराजय रेजिलराय (14 वर्ष); लग हुनुन विश्वास (15 वर्ष), निवासी पारबिल; अशिम अधिकारी, निवासी उदयपुर, थाना रायघर, जिला नवरंगपुर (ओडिशा); रजिया (35 वर्ष), पत्नी अजगर अली, निवासी केशकाल; रिफल (15 वर्ष), पिता अजगर अली, निवासी केशकाल शामिल हैं। इसके अलावा अन्य घायलों का भी जिला अस्पताल में इलाज जारी है।

प्राथमिक जांच में यह बात सामने आ रही है कि वाहन में क्षमता से अधिक सवारियां बैठाई गई थीं।

जंगो रायतार इंग्लिश मीडियम स्कूल मसोरा, में आयोजित वार्षिक उत्सव गोटुल वड़सा पंडुम धूमधाम से सम्पन्न

कोण्डागांव। कोंडागांव के समीपस्थ ग्राम मसोरा स्थित जंगो रायतार इंग्लिश मीडियम स्कूल में वार्षिक उत्सव गोटुल वड़सा पंडुम अत्यंत हर्षोल्लास और पारंपरिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। 11 जनवरी से शुरू हुए इस चार दिवसीय आयोजन का समापन आज रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। खेलकूद से हुई उत्सव की शुरुआत उत्सव का आगाज 11 जनवरी को खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ हुआ। खेलेगा इंडिया, बढ़ेगा इंडिया की तर्ज पर आयोजित इस खेल दिवस में छात्र-छात्राओं ने अपनी शारीरिक दक्षता का परिचय दिया। 'प्रमुख स्पर्धाएं- दौड़, लंबी कूद, खो-खो, कबड्डी और रस्साकशी। 'उद्देश्यरू बच्चों में टीम भावना और अनुशासन को बढ़ावा देना। सांस्कृतिक संध्या परंपरा और आधुनिकता का मेल आयोजित मुख्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्कूली बच्चों

ने अपनी कला का प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की थीम स्थानीय जनजातीय संस्कृति और आधुनिक शिक्षा के समन्वय पर आधारित थी।' गीत-संगीतरू छात्र-छात्राओं ने बस्तरिया लोक गीतों के साथ-साथ देशभक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। बांसुरी और ढोल की थाप पर बच्चों ने सुआ और कर्मा नृत्य पेश किया। 'नाटक सामाजिक संदेशों पर आधारित नाटकों का मंचन किया गया, जिसमें शिक्षा का महत्व और श्पर्यावरण संरक्षणश् जैसे विषयों को बखूबी दर्शाया गया। पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह समारोह के अंतिम चरण में मेधावी छात्रों और खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथियों द्वारा बच्चों को शील्ड, मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह जानकारी सोसल मीडिया/प्रिंट मीडिया में नरसिंह मंडावी कोंडागांव ने साझा किया है।

आस्था, परंपरा और आदिवासी संस्कृति का महाकुंभ

2 से 4 फरवरी तक सजेगा ऐतिहासिक रामाराम मेला

सुकमा। बस्तर संभाग की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान बन चुका रामाराम मेला इस वर्ष भी पूरे श्रद्धा, भव्यता और पारंपरिक उल्लास के साथ आयोजित होने जा रहा है। छत्तीसगढ़ के सबसे प्राचीन मेलों में शामिल यह ऐतिहासिक आयोजन 2 से 4 फरवरी तक रामाराम एवं सुकमा क्षेत्र में प्रस्तावित है। मेला आयोजन को लेकर तैयारियाँ जोर-शोर से शुरू हो चुकी हैं और प्रशासनिक व सामाजिक स्तर पर व्यापक समन्वय देखने को मिल रहा है। मेले की सफल और सुव्यवस्थित व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन, मंदिर ट्रस्ट, मेला संचालन समिति, ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, जिला पंचायत एवं नगर पालिका के बीच लगातार बैठकों का दौर जारी है। सभी विभाग और संस्थाएं अपने-अपने स्तर पर तैयारियों में जुट गई हैं, ताकि लाखों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी

प्रकार की असुविधा न हो और मेला शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। मंदिर ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी रामराजा मनोज देव ने बताया कि इस वर्ष रामाराम मेले को और अधिक आकर्षक एवं स्मरणीय बनाने के लिए कुछ नए प्रयोगों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और श्रद्धा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। इसके साथ ही युवा वर्ग को मेले से जोड़ने, आदिवासी संस्कृति को संरक्षित करने और परंपरा के साथ आधुनिकता का संतुलित समावेश करने के प्रयास किए जा रहे हैं। रामाराम मेला केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि आदिवासी संस्कृति, लोक परंपराओं, संगीत और नृत्य का जीवंत उत्सव भी है। ढोल, मांदर और नगाड़ों की गूंज पर थिरकते पारंपरिक नृत्य, लोकगीतों की मधुर धुनें और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ बस्तर की समृद्ध विरासत को जीवंत कर देती हैं। मेले में जिले के प्रतिभावान आदिवासी युवाओं के साथ-साथ अन्य वर्गों के युवाओं की सहभागिता बढ़ाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं, ताकि यह आयोजन नई पीढ़ी के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सके। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान श्रीराम ने अपने वनवास काल में इस स्थान पर भूदेवी की पूजा की थी, जिसके बाद इस क्षेत्र का नाम रामाराम पड़ा। यही कारण है कि यह स्थल एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल के रूप में प्रतिष्ठित है। यहाँ स्थित प्राचीन मंदिर में विराजित माँ रामारामिन (चिटमिट्टीन अम्मा देवी) सुकमा के राज परिवार की इष्ट देवी मानी जाती हैं। मेले के दौरान माता की डोली यात्रा, विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान श्रद्धालुओं की आस्था को और भी गहराई प्रदान करते हैं। यह ऐतिहासिक मेला हर वर्ष माघ पूर्णिमा के बाद आयोजित होता है, जिसमें बस्तर संभाग के साथ-साथ ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु और आदिवासी समुदाय के लोग शामिल होते हैं। जानकारों के अनुसार, यह परंपरागत मेला 600 से 700 वर्षों से भी अधिक पुराना है और छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े एवं महत्वपूर्ण स्थानीय मेलों में से एक माना जाता है। रामाराम मेला संपन्न होने के बाद ही पूरे क्षेत्र में अन्य पारंपरिक मेला-मड़ाई की शुरुआत होती है। कुल मिलाकर, रामाराम मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आदिवासी पहचान, सामाजिक एकता, परंपरा और सांस्कृतिक गौरव का जीवंत प्रतीक है। इस वर्ष प्रस्तावित नवाचारों, बेहतर व्यवस्थाओं और व्यापक सहभागिता के साथ यह मेला श्रद्धालुओं, पर्यटकों और संस्कृति प्रेमियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बनने जा रहा।

टिकनपाल में तीन दिवसीय संकुल केंद्र क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ समापन

किरंदुल। ग्राम पंचायत टिकनपाल में 11 पंचायतों के द्वारा पंचायत स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसका समापन गुरुवार हुआ। इस अवसर दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष ननन्दलाल मुड़ामी, सरपंच, पंचायत जनप्रतिनिधि,शिक्षक एवं बच्चें शामिल हुए।खेल के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक अटामी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल का हमारे जीवन मे बहुत बड़ा योगदान हैं। खेल के द्वारा ही हम अपना शारीरिक और मानसिक विकास करते हैं, प्रत्येक बच्चे को खेल मे अपनी भागीदारी अवश्य लेनी चाहिए।

मनरेगा बचाओ संग्राम में गरजे दीपक बैज, कहा- पहले अपना सीएम बचाएं फिर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बदलने की चिंता करे भाजपा

केशकाल। केशकाल नगर के बस स्टैंड में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत में एकदिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया था। जिसमें बतौर मुख्य वक्ता पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज शामिल हुए। जहां सर्वप्रथम कांग्रेस नेताओं ने जमकर आतिशबाजी और फूलमाले के साथ पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज का स्वागत किया। तत्पश्चात बारी-बारी से सभी नेताओं ने मनरेगा बचाओ संग्राम, धान खरीदी, प्रदेश की सड़कों की जर्जर स्थिति समेत अन्य विषयों पर अपनी बात रखी। इस दौरान मुख्य रूप से राज्यसभा सांसद फू लोदेवी नेताम, पीसीसी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष अमीन मेमन, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रवि घोष, पीसीसी सचिव सगीर कुरैशी, ब्लॉक अध्यक्ष राजेश

नेताम, कमलेश ठाकुर, प्रवीण अग्निहोत्री समेत जिला/जनपद सदस्यगण, सरपंचगण, पार्षदगण एवं स्थानीय नेतागण मौजूद रहे। मनरेगा बचाने के लिए हर संभव प्रयास करेगी कांग्रेस- इस दौरान मनरेगा के सम्बंध में पीएम मोदी के कार्टून वाले वीडियो के बारे में दीपक बैज ने कहा कि बिल्कुल कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस पार्टी मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत रैली, सभाएं, नुक्कड़ नाटक और कार्टून के माध्यम से हम जनता के बीच पहुंच रहे हैं और केंद्र एवं राज्य सरकार को बेनकाब कर रहे हैं। आने वाले दिनों में हम गांव गांव जाकर डोर टू डोर लोगों के बीच पहुंचेंगे और इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाएंगे। सरकार के वीआईपी चूहे करोड़ों का धान खा गए- संग्रहण केंद्रों में धान की शोटेज को लेकर दीपक बैज ने कहा- पिछले साल का खरीदा हुआ लाखों क्विंटल धान अभी भी संग्रहण केंद्रों में पड़ा हुआ है। ये धान खराब नहीं हुआ है बल्कि इसे सरकार के नेताओं और अधिकारियों ने मिलकर गरीब किसानों के धान को बिचौलियों को बेच दिया है। और इस बात को छुपाने के लिए धन को सड़ा दिया गया है। अब सुनने में ही आया है कि करोड़ों रुपए के धान को चूहे खा गए। हम राज्य सरकार से पूछना चाहते हैं कि ये कौन सा वीआईपी चूहा है, भाजपा उस चूहे का नाम बताए जो करोड़ों रुपए का धान खा रहा है। इस मामले की अगर बारीकी से जांच की जाए तो नान घोटाले से भी बड़ा घोटाला उजागर हो सकता है। प्रदेश की 80त्न सड़कें जर्जर हैं- प्रदेश भर में सड़कों की बदहाल स्थिति के बारे में दीपक बैज ने कहा कि उप मुख्यमंत्री अरुण शाह यह दावे कर रहे हैं कि हमने पूरे प्रदेश भर की सड़कों की मरम्मत करवा दी है। मैं उपमुख्यमंत्री से ज्यादा पूरे प्रदेश भर का दौरा कर रहा हूं। प्रदेश की 80त्न से अधिक सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है।

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर कलेक्टर सख्त, स्वास्थ्य विभाग की प्रगति ली समीक्षा

नारायणपुर। कलेक्टर कार्यालय नारायणपुर के सभाकक्ष में कलेक्टर नम्रता जैन की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संचालित समस्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की संचालन एवं प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय सहित सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में जनसमुदाय को आवश्यक स्वास्थ्य जांच और परीक्षण की सुविधाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मैदानी क्षेत्रों में स्वास्थ्य अमले द्वारा नियमित टीकाकरण सुनिश्चित करने, कुपोषित बच्चों को चिन्हांकित कर पोषण पुनर्वास केंद्रों में भर्ती कराने तथा उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को प्रसव तिथि से 10 दिवस पूर्व प्रसव पूर्व संदर्भन केंद्र में भर्ती कराए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने छुटे हुए हितग्राहियों का शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड शीघ्र तैयार करने और सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में संस्थागत प्रसव को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए। उन्होंने अधिकारियों को मुख्यालय में रहते हुए क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य करने और विकासखंड नारायणपुर एवं ओरछा में भवनविहीन स्वास्थ्य संस्थाओं के अधोसंरचना निर्माण के लिए मांग पत्र प्रस्तुत करने को कहा।

फिर गौरांवित हुई एनएमडीसी किरंदुल परियोजना प्लेटिनम ग्रीन एनवायरो सेफ्टी अवार्ड से नवाजी गई

किरंदुल। गोवा में ग्रीन इनविरो फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा वर्ष 2024-25 हेतु द्वितीय वार्षिक ग्रीन इनविरो सेफ्टी अवार्ड का भव्य समारोह आयोजित हुआ। समारोह में एनएमडीसी लिमिटेड की लौह अयस्क खदान, बीआईओएम कॉम्प्लेक्स, किरंदुल को सुरक्षा उत्कृष्टता श्रेणी में प्लेटिनम ग्रीन एनवायरो सेफ्टी अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार परियोजना की ओर से एम.सुब्रमण्यन, महाप्रबंधक (विद्युत) संयंत्र एवं सुनील कुमार, उप महाप्रबंधक (प्रशि.सुरक्षा व पर्यावरण) ने मुख्य अतिथि के करकमलों से ग्रहण किए। यह महत्वपूर्ण अवार्ड प्राप्त होने पर परियोजना प्रमुख रवीन्द्र नारायण, अधिशासी निदेशक ने सभी को हार्दिक बधाई दी।

चार सूत्रीय मांगों को लेकर सहायक शिक्षकों का हल्ला बोल, डीईओ को सौंपा ज्ञापन

किरंदुल। छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक/समग्र शिक्षक फेडरेशन अपनी लंबित मांगों को लेकर आर-पार की लड़ाई के मूड में है। प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर चल रही चरणबद्ध तैयारियों के तहत चार सूत्रीय मांगों को लेकर दंतेवाड़ा जिला इकाई ने जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व फेडरेशन के दंतेवाड़ा जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह चौहान ने किया।ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुरजीत सिंह चौहान प्रदेश सलाहकार त्रिपेश चापड़ी जिला सचिव अनिरुद्ध सिंह खुशाल और संगठन के संरक्षक एवं चारों ब्लॉक अध्यक्ष शिक्षकगण उपस्थित रहे। ज्ञापन 17 जनवरी 2026 को प्रस्तावित एक दिवसीय प्रदेशव्यापी जिला स्तरीय आंदोलन की पूर्व सूचना और तैयारियों का हिस्सा है। शिक्षकों में मोदी की गारंटी सहित अपनी अन्य मांगों के पूरा न होने को लेकर गहरा असंतोष है। संगठन ने प्रशासन को स्पष्ट कर दिया है कि यदि उनकी मांगों पर सकारात्मक रुख नहीं अपनाया गया, तो 17 जनवरी को दंतेवाड़ा जिला मुख्यालय में भी जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा।

विकासखण्ड स्तरीय बस्तर पंडुम का आयोजन

कांकेर। विकासखण्ड स्तरीय बस्तर पंडुम का ग्राम पंचायत मांदरी के आश्रित ग्राम साल्हेभाट में आयोजित किया गया, जिसमें बस्तर की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपरा, कला एवं जनजीवन की झलक देखने को मिला। जनपद पंचायत कांकेर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांकेर विधायक आशाराम नेताम होंगे, जबकि अध्यक्षता जनपद पंचायत कांकेर की अध्यक्ष पूर्णिमा कावड़े द्वारा की जाएगी। इसमें विशिष्ट अतिथि के तौर पर जिला पंचायत अध्यक्ष किरण नरेटी, मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा, हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष शालिनी राजपूत, जिला पंचायत की उपाध्यक्ष, तारा ठाकुर, नगर पालिका कांकेर के अध्यक्ष अरूण कौशिक, जिला पंचायत सदस्य मृदुला भास्कर, जनपद पंचायत कांकेर उपाध्यक्ष तारूणी ठाकुर सहित गणमान्य नागरिक और आदिवासी समाज के प्रमुखजन तथा मांझी, चालकी, गांयता, पुजारी व स्थानीय जनप्रतिनिधिगण मौजूद रही।

संक्षिप्त समाचार

रेलवे भर्ती बोर्ड, बिलासपुर में हिंदी कार्यशाला तथा कवि-गोष्ठी आयोजित

बिलासपुर। रेलवे भर्ती बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर के तत्वावधान में एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला एवं कवि-गोष्ठी आयोजित की गई। प्रथम सत्र में 'संसदीय राजभाषा समिति-परिचय एवं कार्य' विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में रेलवे भर्ती बोर्ड, बिलासपुर के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में कवि-गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के महाप्रबंधक कार्यलय, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मंडल लेखा परीक्षा कार्यालय तथा रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से आमंत्रित कार्मिकों ने काव्य पाठ किया। इसके अतिरिक्त बिलासपुर, कोरबा एवं आसपास के नगरों से आए साहित्यकारों के द्वारा भी काव्य पाठ किया गया। अतिथियों के स्वागत के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ श्री पीयूष गुप्ता/ अध्यक्ष, रेलवे भर्ती बोर्ड, बिलासपुर के द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण से किया गया। सरस्वती वंदना पश्चात कवि-गोष्ठी आयोजित हुआ, जिसमें लगातार तीन घंटों तक लगभग चालीस साहित्यकारों ने काव्य-पाठ किया । कार्यक्रम के अंत में श्री पीयूष गुप्ता/ अध्यक्ष, रेलवे भर्ती बोर्ड, बिलासपुर ने अपने उद्बोधन में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के संविधान में वर्णित राजभाषा संबंधित अनुच्छेदों तथा गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार रेलवे भर्ती बोर्ड, बिलासपुर में हिंदी कार्यशाला, साहित्यकारों की जयंती तथा कवि-गोष्ठी का नियमित आयोजन रेलवे भर्ती बोर्ड, बिलासपुर में किया जा रहा है। इसी क्रम में आज की कार्यशाला तथा कवि-गोष्ठी का सफल आयोजन किया गया है। रेल कार्यालयों एवं क्षेत्र से आए समस्त साहित्यकारों का उनके द्वारा अभिनंदन किया गया तथा प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। श्री यू. एस. एस. राव/ सहायक सचिव, रेलवे भर्ती बोर्ड, बिलासपुर के द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रेलवे भर्ती बोर्ड, बिलासपुर के समस्त कार्मिकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

शक्ति सदन संचालन के लिए आवेदन 3 फरवरी तक

बिलासपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में शक्ति सदन के प्रभावी संचालन एवं सुचारू क्रियान्वयन के लिए रिक्त पदों पर इच्छुक आवेदकों से 19 जनवरी से 3 फरवरी 2026 तक ऑनलाईन आवेदन मंगाये गये है। पात्र आवेदक विभाग की वेबसाईट आवेदन https//wcd.e-bharti.in/bilaspur पर जाकर आवेदन कर सकते है। पदों के संबंध में अधिक जानकारी जिले की वेबसाईट www.bilaspur.gov.in पर देखी जा सकती है। इसके अलावा कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग पुराना कम्पोजिट बिल्डिंग के पीछे स्थित कार्यालय के सूचना पटल का अवलोकन किया जा सकता है। भारत सरकार द्वारा एकीकृत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम अंतर्गत महिलाओं के सुरक्षा एवं बचाव हेतु महिला कल्याण से संबंधित कार्यक्रमों को संकलित करते हुए एक अम्ब्रेला योजना मिशन शक्ति का आरंभ किया गया है। मिशन शक्ति के उपयोजना शीष्र सामर्थ्य अंतर्गत स्वाधार एवं उज्जवला गृह योजना को समाहित कर शक्ति सदन-एकीकृत राहत एवं पुनर्वास गृह योजना का संचालन करने के निर्देश जारी किये गये है।

मोटर सायकल चोर गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

जशपुर। जशपुर पुलिस ने मोटर सायकल चोरी करने वाले गिरोह के 3 सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की तीन मोटर सायकल भी जब्त किया है। आरोपी चोरी की मोटर सायकल को बेचने के लिये ग्राहक की तलाश कर रहे थे और पुलिस के हत्थे चढ़ गये। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अमित कुजूर उम्र 27 साल निवासी दिवानपुर घुलामा थाना पत्थलगांव ने दिनांक 12.01.2026 को थाना में उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया की दिनांक 10.01.2026 को यह अपनी मोटर सायकल क्रमांक सी.जी. 14 एम.एम. 1203 में फुलेता साप्ताहिक बाजार गया था, मोटर सायकल को अम्बिकापुर जाने वाली रोड़ किनारे खड़ी कर बाजार करने गया था वापस आया तो इसकी मोटर सायकल को कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया है। प्रार्थी की उक्त रिपोर्ट पर थाना पत्थलगांव में धारा 303 (2) बी.एन.एस. कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की विवेचना दौरान मुखबीर सूचना पर ज्ञात हुआ कि उक्त चोरी किये हुये ।

कलेक्टर ने ली जिले के राइस मिलर्स की बैठक

कलेक्टर कुणाल ने धान उठाव व मिलिंग व्यवस्था पर की चर्चा

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के राइस मिलर्स की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग, जिला खाद्य अधिकारी घनश्याम कंवर सहित जिले के राइस मिलर्स उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य धान उठाव, मिलिंग सहित अन्य प्रक्रिया को शासन के निर्देशानुसार सुचारू, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संचालित करना रहा। कलेक्टर दुदावत ने स्पष्ट किया कि शासन द्वारा निर्धारित समस्त प्रक्रियाओं का शत-प्रतिशत पालन किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि धान उठाव से लेकर मिलिंग तक की पूरी व्यवस्था सुव्यवस्थित, समयबद्ध और पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि किसानों, शासन और मिलर्स सभी के हित सुरक्षित रह सकें। बैठक में कलेक्टर ने गाड़ियों की आवाजाही, लोडिंग, धान उठाव एवं मिलिंग से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने समिति को निर्देशित किया कि धान परिवहन में लगी प्रत्येक गाड़ी के आगे एवं पीछे नंबर प्लेट की फोटो अनिवार्य रूप से ली जाए, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना समाप्त हो सके। साथ ही अनावश्यक या लंबे समय तक गाड़ियों को रोके जाने पर कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने सतर्क एप के माध्यम से प्राप्त होने वाले अलर्ट्स पर विशेष ध्यान देने को कहा और निर्देशित किया कि अनावश्यक अलर्ट न आएं, इसके लिए सभी प्रक्रियाओं का सही ढंग से पालन किया जाए। उन्होंने पीवी (फिजिकल वेरीफिक्रेशन) पर विशेष सतर्कता बरतने और किसी भी प्रकार के मिसमैच की स्थिति उत्पन्न न होने देने के निर्देश दिए। लोडिंग के संबंध में उन्होंने गाड़ियों की निर्धारित क्षमता के अनुरूप ही लोडिंग सुनिश्चित करने पर जोर दिया। कलेक्टर दुदावत ने सभी राइस मिलर्स से समन्वय और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने और शासन की मंशा के अनुरूप व्यवस्था को पारदर्शी, भरोसेमंद और समयबद्ध बनाए रखने की बात कही। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

धान उपार्जन केंद्रों में गड़बड़ी, दो समिति प्रबंधक दायित्वों से पृथक

कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित तुमान और कोरकोमा के धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में प्रारंभिक व्यवस्था में कई कमियां सामने आईं। जांच में पाया गया कि किसानों से लाए गए धान को किसान बोरे से सीधे समिति बारदाने में पलटी कर खरीदी की जा रही थी। इसके अलावा स्टेकिंग सही ढंग से नहीं की गई, हमालों की उचित व्यवस्था नहीं थी और अन्य कई अव्यवस्थाएं पाई गईं। शिकायत की जांच के बाद सहकारी समिति कोरबा के प्रबंधक प्यारेलाल साहू और तुमान के समिति के प्रभारी प्रबंधक रंजीत कंवर को समिति प्रबंधकीय दायित्वों से पृथक किया गया है। सभी केंद्रों में किसानों के हित और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप ही धान खरीदी सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

सार्वजनिक स्थलों पर धूमपान करने वालों पर किया गया जुर्माना

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देश पर कोटपा एक्ट के तहत आज शहर में एक दर्जन से ज्यादा कार्रवाई की गई। औषधि विभाग एवं सिविल लाइंस पुलिस थाना की संयुक्त टीम द्वारा आज इनके विरूद्ध जुर्माना वसूला गया। कार्यवाही में खाद्य एवं औषधि प्रशासन औषधि निरीक्षक सुनील पंडा एवं सिविल लाइंस थाना के कांस्टेबल शशिकांत एवं रणजीत द्वारा मुंगेली नाका क्षेत्र के आस पास स्थित कुल 10 प्रतिष्ठानों में कोटपा एक्ट 2003 के धारा 4 एवं 6 के उल्लंघन अनुरूप कुल 1500 रुपए की चालानी कार्यवाही की गई। धारा 6 अनुसार स्कूल के 100 गज के अंदर तंबाकू पदार्थ की बिक्री नहीं होनी चाहिए। धारा 4 अनुसार सार्वजनिक स्थान में धूम्रपान नहीं होना चाहिए। 02 व्यक्तियों को उक्त नियम का उल्लंघन करते पाया गया। मुंगेली नाका क्षेत्र के आस पास स्थित ऐसी 08 दुकान जो तंबाकू उत्पाद बेच रहे हैं, उन्हें धूम्रपान निषेध एवं 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को तंबाकू उत्पाद नहीं बेचा जाता है, ऐसा लिखित में बोर्ड लगाने हेतु कहा गया है। धूम्रपान हेतु लाइटर न रखने हेतु हिदायत दी गई। कार्यवाही में सहायक औषधि नियंत्रक भीष्म देव सिंह एवं सिविल लाइंस थाना प्रभारी सुम्मत राम साहू का मार्गदर्शन रहा।

केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने किया सोलर हाईमास्ट संयंत्र का लोकार्पण

बिलासपुर। केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्यमंत्री श्री तोखन साहू के मुख्य आतिथ्य में ग्राम मोहभट्ठा में स्वयंभू भुनेश्वर मंदिर के पास 10 लाख 75 हजार रूपए की लागत से स्थापित 2 सोलर हाईमास्ट संयंत्र का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में अतिविशिष्ट अतिथि के तौर पर बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक, विशिष्ट अतिथि क्रेडा अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सवन्नी मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री तोखन साहू ने कहा कि सोलर हाईमास्ट संयंत्र लगने से क्षेत्र में रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था सुदृढ़ होगी तथा नागरिकों को आवागमन एवं सुरक्षा में सुविधा मिलेगी। यह योजना स्वच्छ एवं नवीनीकरण ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण योजना है। तत्पश्चात् अतिथिगणों ने स्वयंभू भुनेश्वर मंदिर में विधिवत् पूजा-अर्चना कर क्षेत्र तथा क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहें। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन की योजना अनुरूप पर्यटन स्थलों में प्रकाश व्यवस्था किया जा रहा है। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष बिल्हा श्री रामकुमार कौशिक जी, अध्यक्ष नगर पंचायत बिल्हा श्रीमती वंदना जेण्द्रे, नगर पंचायत उपाध्यक्ष श्री सतीश शर्मा, मोहभट्ठा सरपंच श्रीमती गौरी ध्रुव, श्री कोमल सिंह ठाकुर एवं श्री सोमेश तिवारी, श्री मोहन डोरिया, श्रीमती पुनिता डहरिया, श्री विष्णु बिंदल, श्री बृजभुषण वर्मा, श्री राजकुमार साहू, श्रीमती तुलसी बघेल, श्री कृष्णचंद महापात्र, श्री घनश्याम कौशिक, श्री उमाशंकर कश्यप, श्री लव श्रीवास, श्री नरेन्द्र सन्नाड, श्री मोहन वर्मा के साथ-साथ भारी संख्या में श्रद्धालु व ग्रामीण उपस्थित रहे।

औद्योगिक सुरक्षा उल्लंघनों पर सख्त कार्रवाई की गई

रायगढ़। रायगढ़ जिले में संचालित औद्योगिक इकाइयों में श्रमिक सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा औद्योगिक दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी एवं सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी द्वारा औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से जुड़े मामलों की समय-समय पर समीक्षा की जाती है तथा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए हैं। इसी क्रम में जिले की औद्योगिक इकाइयों में घटित दुर्घटनाओं के बाद निरीक्षण के दौरान पाई गई गंभीर अनियमितताओं एवं श्रमिक सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर कार्यालय उप संचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, रायगढ़ द्वारा कारखाना अधिनियम, 1948, छत्तीसगढ़ कारखाना नियमावली, 1962 तथा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार (नियोजन एवं सेवा शर्त विनियमन) अधिनियम, 1996 एवं नियम 2008 के अंतर्गत सख्त कार्रवाई की गई। उप संचालक द्वारा किए गए निरीक्षणों के आधार पर 6 औद्योगिक इकाइयों के विरुद्ध 6 आपराधिक प्रकरण श्रम न्यायालय रायगढ़ में प्रस्तुत किए गए थे, जिनका माह दिसम्बर 2025 में निराकरण किया गया। श्रम न्यायालय द्वारा सुनवाई उपरांत सुरक्षा मानकों के उल्लंघन का दोषी पाए जाने पर संबंधित औद्योगिक इकाइयों के अधिभोगियों एवं कारखाना प्रबंधकों को अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। मेसर्स जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड (1 एमपीए स्लैग ग्राईंडिंग यूनिट), खरसिया रोड रायगढ़ में कारखाना अधिनियम की विभिन्न धाराओं के उल्लंघन पर अधिभोगी सब्यसाची बन्योपाध्याय एवं कारखाना प्रबंधक अमरेश पांडे को क्रमश: 1.50-1.50 लाख रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण और सर्वांगीण विकास में शिक्षक की भूमिका सर्वोपरी

■ परीक्षा परिणाम सुधार और विद्यार्थियों के विकास पर हुई प्राचार्यों की समीक्षा बैठक

बिलासपुर। आज जिले के सभी हाई एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों के प्राचार्यों की समीक्षा बैठक जल संसाधन विभाग के प्रार्थना सभा भवन में आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि समाज में शिक्षक की भूमिका सर्वोपरि है तथा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण और सर्वांगीण विकास में घर एवं विद्यालय दोनों का वातावरण समान रूप से महत्वपूर्ण होता है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक में विद्या समीक्षा केंद्र, छात्रवृत्ति योजनाएं, विभागीय पोर्टल तथा अर्धवार्षिक परीक्षा की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने जिले के न्यूनतम एवं अधिकतम परीक्षा परिणामों की समीक्षा करते हुए शिक्षकों से प्रत्येक विद्यार्थी की क्षमता एवं कमियों का आकलन कर उसके अनुरूप सकारात्मक एवं संवेदनशील व्यवहार अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने विद्यालयों में सतत संवाद के माध्यम से बच्चों को नशे की लत से दूर रखने और उन्हें जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करने पर विशेष बल दिया। कलेक्टर ने अपने प्रशासनिक एवं व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए शिक्षकों को कर्तव्यनिष्ठा, नवाचार, विद्यार्थियों से निरंतर संवाद तथा विद्यालय के समुचित विकास के लिए प्रभावी प्रयास करने हेतु प्रेरित किया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री विजय टांडे ने विद्यालयों के शैक्षणिक वातावरण को अधिक आकर्षक एवं प्रभावी बनाने पर जोर देते हुए अर्धवार्षिक परीक्षा परिणामों की समीक्षा की तथा प्री-बोर्ड एवं बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों में सुधार हेतु कार्ययोजना तैयार कर प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। सहायक संचालक श्रीमती वर्षा शर्मा द्वारा जिले के शैक्षणिक आँकड़ों के आधार पर प्रगति की जानकारी दी गई।

एसईसीएल इंदिरा विहार स्वास्थ्य केन्द्र, बिलासपुर में अत्याधुनिक सैमसंग अल्ट्रासाउंड मशीन का शुभारंभ

बिलासपुर। एसईसीएल के बिलासपुर स्थित इंदिरा विहार स्वास्थ्य केन्द्र में आज दिनांक 15 जनवरी 2026 को सैमसंग की अत्याधुनिक अल्ट्रासाउंड (सोनोग्राफी) मशीन ड्ब्ल्यू7 का शुभारंभ किया गया। मशीन का विधिवत पूजा-अर्चना कर कंपनी के निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास ने लोकार्पण किया। इस अवसर पर सीएमएस (चिकित्सा सेवाएं) डॉ. श्रुति देव मिश्रा, इंदिरा विहार स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी डॉ. अरिहंत जैन सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। रेडियोलॉजिस्ट डॉ. अंशुमन मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि डायग्नोस्टिक सेवाओं में सोनोग्राफी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सैमसंग ड्ब्ल्यू7 मशीन के स्थापित होने से अब इंदिरा विहार स्वास्थ्य केन्द्र में ही पेट (एब्डॉमिनल) सोनोग्राफी, सॉफ्ट टिशू सोनोग्राफी तथा कलर डॉपलर के माध्यम से रक्त वाहिकाओं की जांच जैसी उन्नत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे मरीजों को बड़े अस्पतालों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और समय पर सटीक जांच सुनिश्चित हो सकेगी। उल्लेखनीय है कि सैमसंग ड्ब्ल्यू7 अपनी

श्रेणी की सर्वाधिक उन्नत अल्ट्रासाउंड मशीनों में से एक मानी जाती है। इसमें नवीनतम तकनीक आधारित उन्नत सॉफ्टवेयर एवं फीचर्स उपलब्ध हैं, जो सभी प्रकार की सोनोग्राफी एवं कलर डॉपलर जांच को उच्च गुणवत्ता और सटीकता के साथ संभव बनाते हैं। इस पहल से एसईसीएल द्वारा कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को बेहतर, त्वरित और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता और सुदृढ़ हुई है।

अवैध धान परिवहन करते दो ट्रैक्टर और एक पिकअप पकड़ाये, 123 क्विंटल धान जब्त

जशपुर। जशपुर पुलिस के द्वारा अवैध धान परिवहन पर कार्यवाही करते हुए दो अलग अलग मामलों में अवैध धान परिवहन करते दो ट्रैक्टर और एक पिकअप वाहन को पकड़ा गया है तथा वाहनों से कुल 123 क्विंटल धान जब्त किया गया है। दोनों ही मामले चौकी दोकड़ा क्षेत्र के है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 13.01.26 को दोपहर करीबन 12.15 बजे पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि, दो बिना नंबर के संदिग्ध ट्रैक्टर वाहन में भारी मात्रा में धान लोड है, जिसे कि सुजीबहार से बगिया की ओर ले जाया जा रहा है, जिस पर चौकी दोकड़ा पुलिस के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए, सुजीबाहर के पास उक्त संदिग्ध दोनों ट्रैक्टर को रोका गया, व ट्रैक्टर की तलाशी लेने पर, उसमें क्रमश: 125- 125 नग कुल 250 नग ।

सिम्स में राष्ट्रीय स्तर की तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स), बिलासपुर में अधिष्ठाता (डीन) डॉ. रमणेश मूर्ति के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय कार्यशाला के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों को साझा किया जा रहा है। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग की ओर से आए समन्वयक डॉ. परमानंद अग्रवाल की देखरेख में आयोजित इस कार्यक्रम में तीन मेडिकल कॉलेजों के फैकल्टी सदस्य हिस्सा ले रहे हैं। कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षुओं को सिम्युलेशन आधारित शिक्षण की बारीकियों से अवगत कराया गया। इसके अंतर्गत यह बताया गया कि वास्तविक मरीज के संपर्क में आने से पूर्व चिकित्सक किस प्रकार कृत्रिम परिवेश में अभ्यास कर अपनी सॉफ्ट स्किल्स और व्यावहारिक दक्षता को सुधार सकते हैं। इस पद्धति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि चिकित्सक वास्तविक उपचार के दौरान पूरी तरह प्रशिक्षित और आत्मविश्वास से भरे हों। इसके साथ ही एटकॉम मॉड्यूल के तहत मरीजों के साथ बेहतर संवाद और नैतिकता पर भी गहन चर्चा की गई। इस गरिमामयी आयोजन में संस्थान के वरिष्ठ विशेषज्ञों ने सक्रिय भूमिका निभाई, जिनमें मुख्य रूप से डॉ. लखन सिंह (चिकित्सा अधीक्षक), डॉ. मधुमिता मूर्ति (प्रोफेसर, एनेस्थीसिया विभाग), डॉ. केशव (एमईयू समन्वयक) एवं अन्य फैकल्टी सदस्य उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम चिकित्सकों को नई शिक्षण विधियों और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों से जोड़कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

अनहेल्दी लाइफस्टाइल और गलत खान-पान की वजह से बढ़ता है बेली फैट

आजकल अनहेल्दी लाइफस्टाइल और गलत खान-पान की वजह से बेली फैट बढ़ना काफी आम हो गया है। इस समस्या को लेकर मशहूर गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट ने अपने बताया कि क्यों डाइट और लाइफस्टाइल में बिना किसी बदलाव के भी 30 की उम्र के बाद ज्यादातर लोगों का बेली फैट बढ़ने लगता है।

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट कहते हैं कि पहले जो खाना नुकसान नहीं करता था, वही अब बेली फैट बढ़ने का कारण बन जाता है। पहले जैसी एक्सरसाइज करने पर भी उतना असर नहीं दिखता। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट के मुताबिक, यह बदलाव शरीर में अचानक नहीं होता, बल्कि उम्र के साथ शरीर में होने वाले कुछ नेचुरल बदलावों की वजह से होता है। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट के अनुसार, 30 साल की उम्र के बाद हर दस साल में शरीर की 3-8 प्रतिशत मसल्स धीरे-धीरे कम होने लगती हैं। जब शरीर में मसल्स होती हैं तो शरीर आराम करते हुए भी कैलोरी बर्न करता रहता है। वहीं, उम्र बढ़ने के साथ मसल्स कम होने से फैट बर्न भी कम हो जाता है। इसकी वजह यह है कि शरीर में ग्लूकोज को इस्तेमाल करने का लगभग 70-80प्रतिशत काम मसल्स ही करती हैं।

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट बताते हैं कि जब मसल मास कम होता है तो शुगर खून में ज्यादा देर तक रहती है और बेली फैट के रूप में जमा होने लगती है उम्र बढ़ने के साथ बॉडी इंसुलिन सेंसिटिविटी भी हर दस साल में लगभग 4-5 प्रतिशत कम हो जाती है। इसका मतलब है कि पहले जितनी मात्रा में कार्ब्स खाने से कोई दिक्कत नहीं होती थी, वही मात्रा अब ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ा देती है। इससे फैट जल्दी जमा होने लगता है, खासकर कमर और पेट के आसपास।30 की उम्र के बाद शरीर में कुछ हार्मोन्स का लेवल बदलने लगता है। ह्यूमन ग्रोथ हार्मोन, टेस्टोस्टेरोन और एस्ट्रोजन जैसे हार्मोन्स का लेवल कम होने लगता है, जबकि कोर्टिसोल बढ़ जाता है।

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट के अनुसार, यह बदलाव पेट के गहरे हिस्से में फैट जमा होने को बढ़ावा देता है। इन सभी बदलावों के कारण 30 के बाद ज्यादातर लोगों का बेली फैट बढ़ने लगता है। प्रोटीन से भरपूर डाइट लें हफ्ते में कम से कम तीन बार स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें इंसुलिन सेंसिटिविटी बढ़ाने के लिए रोजाना वॉक करें और खुद को एक्टिव रखें। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट कहते हैं कि यह असर उन लोगों में और ज्यादा होता है जिन्हें फैटी लिवर, प्रीडायबिटीज, डायबिटीज या हाई ट्राइग्लिसराइड्स की समस्या होती है क्योंकि इंसुलिन रेजिस्टेंस ज्यादा फैट को पेट और लिवर में जमा करता है।

लिवर सिरोसिस से बचने ठीक रखें खानपान

लिवर सिरोसिस धीमी गति से बढ़ने वाला रोग है। आम भाषा में कहें तो इस रोग में लिवर का आकार सिकुड़ने लगता है और उसमें कठोरता आने लगती है। इस रोग में लिवर की बहुत सारी कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं और उनकी जगह फाइबर तंतु ले लेते हैं। साथ ही लीवर की बनावट भी असामान्य हो जाती है, जिससे पोर्टल हाइपरटैंशन की स्थिति पैदा हो जाती है। इस बीमारी का अंतिम इलाज लीवर प्रत्यारोपण यानि लिवर ट्रांसप्लांट है।

लिवर सिरोसिस का मुख्य कारण इसका गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो जाना है और ये होता है गलत खान-पान की आदतों और एल्कोहल के ज्यादा सेवन की वजह से। खान-पान में आमतौर पर वसायुक्त चीजों का ज्यादा सेवन से, ज्यादा नॉन वेज आहार लेने से और दवाओं के साइड इफेक्ट के कारण लिवर सिरोसिस जैसी गंभीर बीमारी होती है।

लिवर सिरोसिस की तीन अवस्थाएं

ये एक गंभीर बीमारी है और ये धीरे-धीरे शरीर पर असर करती है इसलिए इसके लक्षण 3 अवस्थाओं में अलग-अलग देखने को मिलते हैं। इन लक्षणों की सहायता से और शरीर की जांच द्वारा इस बीमारी का पता लगाया जा सकता है।

पहली अवस्था में शरीर बेवजह थकान महसूस करने लगता है और इसका वजन घटना शुरू हो जाता है साथ ही पाचन संबंधी गडबडियां शुरू हो जाती हैं। दूसरी अवस्था में रोगी को बार-बार चक्कर आने लगता है और उल्टियां होने लगती हैं। इसके अलावा खाना खाने का मन नहीं करता है और बुखार बना रहता है।

तीसरी और अंतिम अवस्था में उल्टियों के साथ खून आने लगता है और मरीज को बेहोशी होने लगती है। इसके अलावा मामूली सी चोट लगने पर भी खून नहीं रुकता है। तीसरा स्टेज आ जाने पर मरीज पर दवाओं का असर नहीं होता है। इसके बाद एकमात्र विकल्प लिवर का ट्रांस्प्लांट बचता है, जो एक बेहद खर्चीला इलाज है।

लिवर सिरोसिस से बचने के उपाय

लिवर सिरोसिस जैसे गंभीर रोग से बचाव के लिए आपको अपने खान-पान की आदतों में सुधार करना होगा। एल्कोहल पदार्थों का सेवन इसकी सबसे बड़ी वजह है इसलिए इसे आपको तुरंत बंद कर देना चाहिए। इसके अलावा फास्ट फूड्स, वसा वाले आहार, लंबे समय तक नॉन वेज आहार और गंदा पानी पीने से भी ये रोग हो जाता है। इससे बचाव के लिए आपको अपने आहार में विटामिन्स और एंटी ऑक्सिडेंट्स से भरे फल, हरी सब्जियां, फल, गाजर, मूली, चुकंदर, सिंघाड़ा, सोयाबीन, अंडा, दूध आदि का सेवन करना चाहिए।

बच्चों के मां-बाप नहीं दोस्त बनें

हर मां- बाप चाहते हैं कि उनकी बेटियां पढ़ लिखकर जिंदगी में कामयाब बने। बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए पेरेंट्स उन्हें घर से बाहर दूसरे शहरों में भी पढ़ने के लिए भेजते हैं लेकिन दिन-प्रतिदिन लड़कियों के खिलाफ बढ़ते अपराध को देखकर कुछ मां- बाप अच्छी नौकरी या पढ़ाई के लिए उन्हें बाहर भेजने से डरने लगे हैं। उन्हें हर पल यही फिक्र सताती है कि उनकी बच्ची सही सलामत है या नहीं। अगर आपके घर में लड़कियां हैं और वह पढ़ाई करने, नौकरी करने या किसी अन्य काम से रोजाना घर से बाहर जाती हैं या घर से दूर कहीं बाहर रहती हैं। तो माता-पिता होने के नाते आपको कुछ सावधानियां बरतने की खास जरूरत है ताकि वह हर छोटी से छोटी बात भी आपसे शेयर कर सके। तो आइए जानते हैं उन बातों के बारे में जो आपकी बच्ची को घर के बाहर भी सुरक्षित रख सकती हैं।

मोबाइल भी जरूरी

कुछ मां- बाप की सोच है कि मोबाइल फोन से बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। वह पढ़ना-लिखना छोड़ देंगे और पूरा दिन सिर्फ मोबाइल फोन पर ही लगे रहेंगे लेकिन बेटियों के पास मोबाइल फोन होना जरूरी है। वह कहीं बाहर गई हो और घर वापसी में लेट हो जाए तो आपको फोन करके बता सकती हैं। इसके अलावा अगर कभी कोई मुसीबत आती है तब भी वह आपको फोन कर सकती हैं। बच्चों का दोस्त बनना बहुत जरूरी है अगर आप उनके साथ दोस्तों जैसा व्यवहार करेंगे तो वह खुल कर आप से हर बात शेयर कर पाएंगे। जब आपको उसके बारे में हर बात पता होगी तो आप अपनी बच्ची को परेशानियों से बचा सकते हैं।

थोड़ी दूरी भी बनाएं

बच्चों को स्पेस देना भी जरूरी है हर वक्त उनके पीछे परछाई की तरह लगने रहने से वह परेशान हो जाएगी। इससे आपका बच्चा धीरे-धीरे आप से दूर होता चला जाएगा और कभी आप पर भी भरोसा नहीं करेगा। खुद का भरोसा बच्चे पर बनाने के लिए कुछ समय उसे अकेले भी समय बिताने का मौका दें ताकि उन्हें पता चल सके कि क्या सही है और क्या गलत।

दोस्तों की जानकारी

आपको उनके दोस्तों के बारे में पता होना जरूरी है वह पूरा दिन कौन से दोस्तों के साथ रहती है इस बात की पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात को सुनिश्चित करें की उसकी संगत अच्छी हो। अपने बच्चे ही नहीं बल्कि उनके दोस्तों से भी दोस्ती बनाएं।

आत्मरक्षा के तरीके

बेटियों को आत्मरक्षा करने के लिए तरीके बताएं। आजकल तो बहुत से स्कूलों और कॉलजों में बच्चों को कराटे और बहुत-से ऐसे टिप्स बताए जाते है जिनसे वह अकेली होने पर अपनी रक्षा कर सके। लड़कियों को कभी भी कमजोर या अकेला महसूस न होने दें।

अपनी राय न थोपें

बच्चों को अच्छी बुरी के बातों के बीच फर्क बताना जरूरी है लेकिन उन पर अपनी राय थोपना गलत है। जब आप उनकी हर बात पर अपनी राय थोपेंगे तो वह बहुत-सी बातों को आप छीपाएगी। जो उसके लिए बाद में परेशानियां खड़ी कर सकती हैं।

कामकाजी महिला हैं तो इस तरह रहें बच्चे के करीब

औरतों को घर और ऑफिस के काम एक साथ संभालने का हुनर बहुत अच्छी तरह से आता है। कई बार समय की कमी के कारण वह अपने बच्चों को उतना समय नहीं दे पाती, जितना कि उसके बच्चों को मां के साथ की जरूरत होती है।

बच्चों के साथ समय बिताकर आप उनके दिल की बातों को अच्छी तरह से जान सकते हैं लेकिन आप भी काम के तनाव की वजह से परेशान हैं और बच्चों के कटी-कटी रहती हैं तो कुछ स्मार्ट टिप्स आपके काम आ सकते हैं जो बच्चे के साथ आपके रिश्तों के पहले से भी ज्यादा मजबूत बना देंगे।

बच्चों से करें दिनभर की बातें

रात को आपके पास परिवार के साथ समय बिताने के सबसे अच्छा बहाना होता है। डिनर के समय पति और बच्चों के साथ ही खाना खाएं। दिन भर की बातें परिवार के साथ शेयर करें और उनकी बातें सुनें। इससे बच्चों का आपके साथ प्यार बढ़ेगा और वह आपसे बातें करने के लिए बेताब रहेगा।

काम में लें बच्चों की मदद

बच्चे तब बहुत खुश होते हैं जब आप उनसे किसी बात के लिए मदद मांगते हैं। कभी-कभी प्यार से बच्चे को आपकी मदद करने के लिए कहें जैसे खाना बनकर तैयार है तो उसे डाइनिंग टेबल सजाने के लिए कह सकते हैं। उसकी पसंद की डिश बना रही हैं तो उससे परोसने के लिए मदद ली जा सकती है।

मस्ती भी जरूरी

बच्चों के करीब आने के लिए उनके साथ कभी-कभी खुद भी बच्चे बनना पड़ता है। आप परिवार के साथ कुछ ऐसे गेम्स खेल सकते हैं जिसे बच्चे पूरी तरह से एंज्वाय भी करें और उन्हें कुछ सीखने के लिए भी मिले। जैसे हॉट सीट, पर्ची पर सारे सदस्यों का नाम लिखें, जिसके नाम की पर्ची निकले वह हॉट सीट पर बैठे और बाकी के सदस्य उससे सवाल पूछें। जो सबसे ज्यादा सही जवाब दे उसे शॉपिंग या पिकनिक का गिफ्ट दिया जा सकता है।

...अगर आपका बच्चा भी करता है बिस्तर गीला

कई बार बच्चे 1 साल से बड़े होने के बाद भी बिस्तर पर ही पेशाब कर देते है। अक्स पेरेंट्स बच्चे की इस आदत को लेकर परेशान रहते है लेकिन बच्चे का बार-बार ऐसा करना किसी परेशानी के कारण भी हो सकता है। कई बार तो बच्चे रात में डर के कारण बिस्तर गीला कर देते है लेकिन इसके अलावा बच्चे यूरिन इंफेक्शन, तनाव, पुरानी कब्ज या असंतुलित हार्मोन के कारण ऐसा करते है।

अगर आपका बच्चा भी ऐसा कर रहा है तो इससे आपको परेशान होने की जरुरत नहीं। इस समस्या को आप कुछ असरदार घरेलू नुस्खे से दूर कर सकते हैं। आइए जानते है किन उपायों द्वारा बच्चे की इस परेशानी को दूर किया जा सकता है।

बच्चों को बार-बार यूरिन आने के कारण

- ब्लैडर में इंफेक्शन
- ब्लड शुगर के कारण
- प्रॉस्टेट ग्रंथि में यूरिन का बढ़ना
- ज्यादा कॉफी या चाय का सेवन
- पेट में कीड़े की समस्या
- मूत्राशय में पेशाब जमा करने की क्षमता कम होना

इसके घरेलू उपचार

अखरोट
2 अखरोट और 20 किशमिश को पीसकर चूर्ण बना लें। 3 हफ्ते तक बच्चे को इसका सेवन कराने से यह समस्या दूर हो जाएगी।

पिस्ता
5 काली मिर्च, 3 पिस्ता और मिनका पीस लें। दिन में दो बार बच्चे को यह चूर्ण खिलाने से उसकी यह परेशानी दूर हो जाएगी।

काले तिल
50 ग्राम काले तिल, 25 ग्राम अजवाइन और 100 ग्राम गुड़ को मिलाकर 8-8 ग्राम के लड्डू बना लें। बच्चे को रोजाना सुबह-शाम 1 लड्डू खिलाने से उसकी पेशाब की बीमारी ठीक हो जाएगी।

शहद का सेवन
रोजाना रात को सोने से पहले बच्चे को नियमित रूप से शहद चटा दें।

कुछ हफ्तों में ही बच्चे को बार-बार यूरिन आने की परेशानी से छुटकारा मिल जाएगा।

अजवाइन
1 चम्मच अजवाइन में नमक मिलाकर बच्चें को गर्म पानी से सात खिला दें। दिन में 2 बार इसका सेवन बार-बार यूरिन आने की समस्या से निजात दिलाता है।

जुड़वां बच्चे होने पर दिखते हैं ये लक्षण!

प्रैग्नेंसी हर महिला की जिंदगी का सबसे अहम पल होता हैं। जब किसी औरत को मां बनने की खुशी मिलती है तो उसके साथ पूरा परिवार खुश हो उठता है। हर औरत के मन में सबसे पहला सवाल उठता है कि उसका होने वाला बच्चा कैसा होगा, वहीं अगर गर्भ में जुड़वां बच्चों के पलने की खबर मिल जाए तो खुशी दोगुणा बढ़ जाती है। जुड़वा बच्चों के होने पर गर्भवती महिला के शरीर में कुछ लक्षण दिखाई देते है, जिनके बारे में अक्सर महिलाओं को नहीं पता होता। आज हम आपको उन्ही लक्षणों के बारे में बताने जा रहे है, जिनसे पता जलता है कि गर्भ में जुड़वा बच्चे पल रहे है।

मॉर्निंग सिकनेस

गर्भवती महिला को मॉर्निंग सिक्नेस रहना भी एक संकेत हो सकता है। 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को गर्भावस्था के प्रारंभिक चरण में ही मतली और जी मिचलाना महसूस हो सकती है। जिन गर्भवती महिलाओं को जुड़वा बेबी होने वाले होते है उन्होंने बाकी गर्भवती महिलाओं की तुलना में अधिक मार्निंग सिक्नेस रहती है।

ब्लीडिंग और स्पॉटिंग

जिस महिला को जुड़वा होने वाली होती है, उन्हें स्पॉटिंग और ब्लीडिंग अधिक होती है। यदि ब्लीडिंग के साथ बुखार और लाल खून के धब्बे पड़ रहे है तो इसमें डरने की कोई बात नहीं है क्योंकि यह जुड़वा बच्चों की निशानी हो सकती है।

वजन बढ़ना

अगर वजन सामान्य गर्भावस्था की तुलना से अधिक है तो भी जुड़वां बच्चे होने का संकेत हो सकता है। एक औसत गर्भावस्था में सामान्य वजन 25 पाउंड होता है, जबकि जुड़वां गर्भावस्था में वजन 30 से 35 पुंड के बीच होता है।

अधिक भूख लगना

जुड़वां बेबी होने पर गर्भवती महिला को अधिक भूख लगती है। इसलिए जब आपको साथ भी ऐसा हो तो एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें क्योंकि यह कोई और बात भी हो सकती है।

पेट में दर्द होना

जुड़वां गर्भवती महिला के सामान्य से ज्यादा पेट में दर्द रहने लगता है यह दर्द शरीर को अधिक वजन होने के कारण भी हो सकता है। इसलिए इस बात के बारे में एक बार डॉक्टर से जरूर बात करें।

हरिभूमि समाचार पत्र के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने किया 'लोकतंत्र प्रहरी' और एसआर हॉस्पिटल का संयुक्त कैलेंडर 2026 का विमोचन

रायपुर/दुर्ग/ विशेष संवाददाता। हरिभूमि समाचार पत्र के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने राजधानी रायपुर में एक सादगीपूर्ण समारोह में लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप और एस आर हॉस्पिटल एंड कॉलेज, दुर्ग के संयुक्त वार्षिक कैलेंडर 2026 का विमोचन किया।

इस अवसर पर हरिभूमि समाचार पत्र के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने दोनों संस्थाओं द्वारा समाज कल्याण के क्षेत्र में किए जा रहे सराहनीय कार्यों की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा,मीडिया और स्वास्थ्य सेवाएं समाज के दो मजबूत स्तंभ हैं। लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप की निष्पक्ष पत्रकारिता और एस आर हॉस्पिटल एंड कॉलेज द्वारा प्रदान की जा रही उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं का यह संयुक्त प्रयास समाज के लिए अनुकरणीय है।÷ ऐसे सहयोग से समाज में जागरूकता और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होता है, जो लोकतंत्र को और मजबूत बनाता है।

कार्यक्रम में प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने दोनों संस्थानों के भविष्य के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। साथ ही, उन्होंने प्रदेशवासियों, लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप और एस आर हॉस्पिटल एंड कॉलेज के सभी सदस्यों को नव वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एसआर हॉस्पिटल एंड कॉलेज के चेयरमैन श्री संजय तिवारी, श्री विष्णु पाठक,डॉ. कमल किशोर शर्मा, श्री रमाशंकर साहनी सहित अन्य उपस्थित थे।

अंत में चेयरमैन श्री संजय तिवारी ने हरिभूमि समाचार पत्र के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और उनके मार्गदर्शन को संस्थान के लिए प्रेरणास्रोत बताया। यह संयुक्त कैलेंडर न केवल समय प्रबंधन का साधन है, बल्कि समाज सेवा, पत्रकारिता और स्वास्थ्य के क्षेत्र में दोनों संस्थाओं की साझेदारी का प्रतीक भी है। छत्तीसगढ़ के विकास और समाज कल्याण के लिए ऐसे प्रयास निरंतर जारी रहें, यही कामना है।

डॉ. फुलेंद्र उइके बोले...सोनोग्राफी के दिन ही दी जानकारी, अब कटघरे में स्वास्थ्य विभाग, तीन महीने दबाया मामला

- आरडीसी के डायरेक्टर ने खोला चिट्ठा...11 सिंतबर को पोर्टल में डाली सूचना
- अजाक्स थाने में की शिकायत, बेवजह नाम घसीटा जा रहा, कार्रवाई की मांग

राजनांदगांव। नाबालिग की सोनोग्राफी, डिलीवरी और फिर फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनाने के मामले में नया मोड़ आ गया है। आरडीसी हास्पिटल के डायरेक्टर डॉ. फुलेंद्र उइके ने सामाजिक लोगों के साथ गुरूवार को अजाक्स थाने में शिकायत के साथ अपनी सफाई भी पेश की, उन्होंने कहा कि 11 सितंबर को सोनोग्राफी की गई, उसी दिन ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग को मामले की पूरी जानकारी दे दी गई। वहीं उन्हें बेवजह इस मामले में घसीटा जा रहा है, ऐसा भी आरोप उनके द्वारा लगाया गया। डॉ. उईके के बयान से स्वास्थ्य विभाग कटघरे में आ गया है क्योंकि सीएमएचओ डॉ. एनआर नवरतन ने इसकी जानकारी नहीं होने की बात कह चुके हैं।

वहीं सप्ताह भर पहले ही यानी जनवरी में मामले का पता चलना बताया। यानी पोर्टल में जानकारी अपलोड होने के तकरीबन तीन महीने तक विभाग को इसकी जानकारी ही नहीं थी। इससे ही स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणली का अंदाजा लगाया जा सकता है। जबकि ऐसे गंभीर मामलों में तत्काल एक्शन लिया जाना चाहिए था। लेकिन ऐसा किया नहीं गया और जब मामला उजागर हुआ, पुलिस विभाग ने जांच शुरू की , तब स्वास्थ्य विभाग ने भी जांच टीम बनाई। इसलिए स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही और मामले को दबाने की बात को नकारा नहीं जा सकता।

जानकारी देना जरूरी है तो कृष्णा हास्पिटल पर कार्रवाई तय

जिस तरह से डॉ. उईके ने अपने बयान में बताया कि नाबालिग के गर्भ ठहरने जैसा मामला आता है तो उसकी जानकारी पुलिस विभाग और स्वास्थ्य विभाग को देना होता है। उन्होंने इसका पालन किया। यदि इसी नियम की बात की जाए तो डिलीवरी कृष्णा हास्पिटल में हुई है, संस्थान के द्वारा पुलिस को कोई सूचना नहीं दी गई यह बात पुलिस के आला अधिकारियों ने कही है कि उन्हें सूचित नहीं किया। ऐसे में सबसे पहले कृष्णा हास्पिटल की जिम्मेदारी भी इस मामले में तय की जानी चाहिए।

आयुक्त ने उद्यान एवं पेवर ब्लाक का लिया जायजा

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई जोन-3 मदर टेरेसा नगर अंतर्गत उद्यान एवं पेवर ब्लाक का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। निगम आयुक्त एवं स्थानीय पार्षद शकुंतला साहू द्वारा वार्ड 53 सेक्टर 1 अंतर्गत पावर हाउस रेल्वे स्टेशन के सामने उद्यान का अवलोकन किया गया है। उद्यान के अंदर डोम शेड लगाने के संबंध में चर्चा किये हैं। सड़क 3, 4, 5, 6 एवं 7 में रोड किनारे नागरिको की सुविधा हेतु नया पेवर ब्लाक लगाया गया है, जिसका अवलोकन किया गया है। सड़क 3 के समीपस्थ उद्यान का अवलोकन किये, उद्यान में आने वाले वरिष्ठ नागरिको एवं बच्चों की सुविधा के लिए प्रकाश व्यवस्था कराने कहा गया है। साथ ही उद्यान में पूर्व से स्थापित खेल सामग्री का संधारण कराने कहा गया है, जिससे बच्चो का मनोरंजन हो सके।

चाईनीज मांझे पर पूर्ण प्रतिबंध, पर्यावरण संरक्षण मंडल की आम जनता से अपील

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन आवास एवं पर्यावरण विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नया रायपुर के द्वारा 25 फरवरी 2017 को अधिसूचना जारी कर नायलोन, सिंथेटिक अथवा किसी भी प्रकार के धारदार पदार्थ युक्त धागे चाईनीज मांझा के उत्पादन, विक्रय, भंडारण, आपूर्ति एवं उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। पर्यावरण संरक्षण मंडल से प्राप्त जानकारी अनुसार चाईनीज मांझे के कारण लगातार गंभीर दुर्घटनाओं की खबरें सामने आ रही हैं। इन घटनाओं में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, वहीं कुछ मामलों में जान तक चली गई है। खासतौर पर दोपहिया वाहन चालकों, बच्चों के लिए यह मांझा अत्यंत घातक सिद्ध हो रहा है। पर्यावरण संरक्षण मंडल ने आम नागरिकों से अपील की है कि पतंग उड़ाने के दौरान चाईनीज मांझे का उपयोग बिल्कुल न करें।

सील होने से पहले जागे दुकानदार, दो वार्डों से 2 लाख से अधिक की कर वसूली

निगम की सख्ती रंग लाई, सीलिंग के दबाव में बकायादारों ने चुकाया पूरा टैक्स

दुर्ग। नगर निगम दुर्ग आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश और राजस्व अधिकारी आर.के.बोरकर के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग अमला द्वारा बकाया कर वसूली को लेकर की जा रही सख्त कार्रवाई का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। निगम प्रशासन द्वारा दुकानों एवं प्रतिष्ठानों को सील करने की चेतावनी मिलते ही करदाताओं ने अपने-अपने बकाया एवं चालू वर्ष का टैक्स तत्काल जमा करना शुरू कर दिया है। वार्ड क्रमांक 11 में पंकज, दिव्या, ऋतु एवं अंकिता (महेन्द्र मल्होत्रा) के नाम से संपत्ति कर एवं अन्य करों की मांग लंबित थी। सीलिंग की कार्रवाई की सूचना मिलने पर संबंधित करदाताओं ने कार्रवाई से बचने हेतु समस्त बकाया एवं चालू वर्ष का टैक्स कुल 85,771 रुपये नकद नगर निगम में जमा किया। इसी तरह वार्ड क्रमांक 28 में भी निगम की सख्ती देखने को मिली। यहां हरीश कुमार/उत्तमचंद जैन द्वारा संचालित दुकान पर बकाया टैक्स के चलते सीलिंग की प्रक्रिया प्रारंभ की गई, जिसके दबाव में उन्होंने 70,854 रुपये की संपूर्ण टैक्स राशि चेक के माध्यम से निगम में जमा कराई।वहीं वार्ड क्रमांक 28 के ही प्रभुदास सिंधी/झाड़ूमल ने भी दुकान सील होने से पूर्व दो चेकों के जरिए 51,972 रुपये की समस्त टैक्स राशि जमा कर दी। इस प्रकार केवल दो वार्डों से निगम को 2 लाख 8 हजार 597 रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि शहर में बकाया कर वसूली को लेकर अभियान लगातार जारी रहेगा। जिन करदाताओं द्वारा समय पर टैक्स जमा नहीं किया जाएगा, उनके खिलाफ नियमानुसार दुकान सीलिंग, नल कनेक्शन विच्छेदन एवं अन्य कठोर कार्रवाई की जाएगी।

निगम प्रशासन का कहना है कि कर वसूली से प्राप्त राशि का उपयोग शहर के विकास कार्यों एवं नागरिक सुविधाओं के विस्तार में किया जाएगा,कार्रवाही के समय उप राजस्व निरीक्षक निशांत यादव, सजंय मिश्रा,अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार, राम खिलावान शर्मा, पवन नायक सहित अमला मौजूद रहें।

आयुक्त ने जोन-4 खुर्सीपार का किये सघन निरीक्षण

भिलाईनगर। शहर के विकास एवं नागरिको को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-4 खुर्सीपार क्षेत्र अंतर्गत नवीन डामरीकरण सड़क, अवैध अतिक्रमण, एस.एल.आर.एम. सेंटर का निरीक्षण किये। साथ ही शहर में कराये जा रहे निर्माण एवं संधारण जैसे कार्यो को समयावधि में पूर्ण कराने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। शिवाजी नगर जोन-4 खुर्सीपार क्षेत्र अंतर्गत छावनी मंगल बाजार बस्ती में नवीन डामरीकरण सड़क का निर्माण किया गया है। जिसका निरीक्षण आयुक्त एवं जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे द्वारा किया गया। सघन बस्ती होने के कारण हजारों नागरिको को सुगम यातायात की सुविधा मिलेगी। समीपस्थ सड़क किनारे नल कनेक्शन का गडडा किया गया है, जिसका जायजा लिये और अनावश्यक बहने वाले पानी को रोकने कहा गया है। स्थानीय नागरिको द्वारा नाली के उपर अवैध अतिक्रमण किया गया है, अतिक्रमणकारियों को नोटिस देकर अवैध अमिक्रमण हटवाने कहा गया है। वार्ड में सड़क किनारे अस्थाई बाथरूम बनाकर उपयोग किया जा रहा है, जिसे हटवाने निर्देश दिए हैं। आयुक्त द्वारा छावनी चौंक से बीरासिंह चौंक तक निर्माणाधीन डामरीकरण सड़क अवलोकन किया गया है। सड़क निर्माण का कार्य अधूरा है, जिसे जल्द पूर्ण कराने को कहा गया है। समीपस्थ निर्माणाधीन एस.एल.आर.एम. सेंटर का जायजा लिये, एजेंसी को शेष बचे कार्य समय पर पूर्ण करने निर्देशित किये है। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उप अभियंता चंद्रकांत साहू, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, राजस्व निरीक्षक विजेंद्र परिहार, स्वच्छता निरीक्षक अतुल यादव, जोनल सहित सुपरवाईजर उपस्थित रहे।

नल कनेक्शन काटने पहुंचे कर्मियों को देख 6 लोगों ने 42 हजार जमा किया

रिसाली निगम ने 17 लोगों को जारी किया था नोटिस

रिसाली। नल कनेक्शन काटने की कार्यवाही को देख 6 लोगों ने आनन फानन 42 हजार रुपए जमा कराया। रिसाली निगम ने लंबे समय से जल कर जमा नहीं करने पर वार्ड 31 के 17 लोगों को नोटिस जारी किया है। कार्यवाही करते कर्मचारियों ने ताम्रध्वज मार्कण्डेय के निवास में लगे नल कनेक्शन को काटने की कार्यवाही की गई। राजस्व वसूली के लिए आयुक्त मोनिका वर्मा सख्ती बरत रही है। जलकर को लंबे समय से जमा नहीं करने पर नल विच्छेदन की कार्यवाही करने निर्देश दी है। टैक्स कलेक्शन के प्रभारी अधिकारी रवि श्रीवास्तव ने बताया कि शहीद किरण देशमुख वार्ड रिसाली में ताम्रध्वज मार्कण्डेय के घर नल विच्छेदन की कार्यवाही को देख पड़ोस में रहने वाले नरोत्तम साहू ने 11960, जी सी शर्मा ने 6920, मीना देवांगन ने 6920, राजकुमार वर्मा ने 4400, शिवमंगल साहू ने 9440 रुपए जमा कराया।

मांगी मोहलत- वार्ड 31 के राम नारायण ने पिछले 4 वर्ष से जलकर जमा नहीं किया है। 17630 रुपए बकाया है। कार्यवाही को देख राम नारायण ने 2520 रुपए जमा कर शेष राशि जमा करने मोहलत मांगी।

इन्हें 3 दिन की मोहलत- जल कर बकाया होने पर बिरजू राम ठाकुर को 6880 रुपए जमा करने नोटिस जारी किया है। 3 दिन में राशि जमा नहीं करने पर नल विच्छेदन की कार्यवाही की जाएगी। इसी तरह बल्लू राम साहू 4400, बल्लू राम साहू 3077, महेश सोनवानी 4400, देवकी बाई 6920, बम्लेश्वरी सिंह 5870, त्रिवेणी देवांगन 5100, जानकी यादव 4400, यादेश साहू 4400, जमवंतीन बाई को भी 3980 रुपए जमा करने नोटिस जारी किया गया है।

पुरानी यादें, नए संकल्प के साथ गृह विज्ञान विभाग की भूतपूर्व छात्रों की गरिमामयी बैठक

दुर्ग। डॉ खूबचंद बघेल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई-3 के गृह विज्ञान विभाग द्वारा भूतपूर्व छात्राओं की बैठक का सफल एवं गरिमामयी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं भूतपूर्व छात्रों का कुमकुम लगाकर आत्मीय स्वागत करते हुए किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. कमल किशोर शर्मा ने अपने ओजस्वी एवं प्रेरक उद्बोधन में कहा कि भूतपूर्व छात्र किसी भी शैक्षणिक संस्था की विरासत होते हैं। वे अपने ज्ञान, अनुभव और सामाजिक दायित्वों के माध्यम से संस्था की मूल परंपरा को आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि भूतपूर्व छात्रों की सहभागिता से वर्तमान छात्रों को न केवल प्रेरणा मिलती है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का भी विकास होता है। उन्होंने ने इस प्रकार के आयोजनों को शिक्षा और समाज के बीच सेतु बताते हुए आयोजन की सराहना की तथा मकर संक्रांति के पावन अवसर पर सभी उपस्थितजनों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ भारती सेठी ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्था की पहचान और प्रतिष्ठा उसके भूतपूर्व छात्रों से निर्मित होती है। ये पूर्व छात्र केवल संस्था की उपलब्धि नहीं, बल्कि उसकी जीवंत धरोहर होते हैं। उनके संघर्षों की कहानियाँ, अनुभवों की गहराई और सफलता की ऊँचाइयाँ वर्तमान पीढ़ी के छात्रों के लिए न केवल प्रेरणा का स्रोत हैं, बल्कि उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग भी प्रशस्त करती हैं। उन्होंने गृह विज्ञान विभाग द्वारा किए जा रहे शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं संस्थान के प्रति जुड़ाव को सशक्त बनाते हैं। साथ ही उन्होंने भूतपूर्व छात्रों से महाविद्यालय के विकास में निरंतर सहयोग देने का आह्वान किया।

इस अवसर पर गृह विज्ञान विभाग की प्राध्यापक डॉ अल्पना देशपांडे ने विभाग की शैक्षणिक गतिविधियों, उपलब्धियों तथा भावी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गृह विज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित एवं बेहतर ढंग से जीने की कला सिखाने वाला महत्वपूर्ण अनुशासन है। उन्होंने भूतपूर्व छात्राओं के योगदान की प्रशंसा करते हुए विभाग की प्रगति में उनकी भूमिका को सराहा। इस अवसर पर महाविद्यालय की भूतपूर्व छात्र समिति की संयोजक श्रीमती मंजू दांडेकर उपस्थित रहीढ्ढ कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन भूतपूर्व छात्रा सुश्री हर्षा वर्मा द्वारा किया गया। बैठक के दौरान सहभागिता एवं मनोरंजन को बढ़ाने के उद्देश्य से अल्फाबेट मेकिंग, म्यूजिकल चेयर सहित विविध खेलों का आयोजन किया गया, जिनमें सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर कु. मानसी देवांगन द्वारा स्नेहपूर्वक तैयार कर लाया गया एल्मुनी फोटोग्राफी लाइटिंग केक काटकर एल्मुनी मीत सेलिब्रेशन किया गया, जिससे कार्यक्रम का वातावरण और अधिक आत्मीय, उत्सवपूर्ण एवं स्मरणीय बन गया।इसके साथ ही ÷मिस होम साइंस÷ का खिताब सुश्री हर्षा वर्मा को तथा ÷मिस इवनिंग÷ का खिताब गंगा यदु को उनके उत्कृष्ट व्यक्तित्व, आत्मविश्वास एवं प्रभावशाली प्रस्तुति के आधार पर प्रदान किया गया। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभागियों को अपने आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं व्यक्तित्व के प्रदर्शन का उपयुक्त मंच प्राप्त हुआ। कु दीप्ति नेताम ने डांस सुंदर प्रस्तुति के साथ धन्यवाद प्रेषित कियाढ्ढ कार्यक्रम के समापन अवसर पर भूतपूर्व छात्रों ने इस आयोजन को अत्यंत स्मरणीय बताते हुए गृह विज्ञान विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

वार्डवासियों ने बताई पानी की समस्या, महापौर ने अधिकारियों को दिए निर्देश

पुलिस लाइन , 18 एकड़ का मेयर ने किया दौरा, लोगों से की चर्चा

राजनांदगांव। वाटर सप्लाई की समस्या को देखते हुए महापौर मधुसूदन यादव ने वार्ड क्रमांक 19 में पुलिस लाईन, 18 एकड पहुंचे। महापौर श्री यादव पुलिस लाईन 18 एकड में कालोनी वासियो से मुलाकात कर उनके समस्याओं से अवगत हुये। 18 एकड वासियों ने कहा कि इस कालोनी की प्रमुख समस्या पानी की है। उन्होनें कहा कि यहॉ पानी सप्लाई के लिए दो टंकी निर्मित है, एक टंकी छोटी होने के कारण आबादी के हिसाब से पर्याप्त पानी नही मिल पाता है। इस पर महापौर ने पार्षद से जानकारी लेकर आधिकारियो से चर्चा किये। प्र.कार्यपालन अभियंता मेश्राम ने जानकारी दी कि 18 एकड़ की दो टंकी में नगर निगम द्वारा पानी सप्लाई की जाती है।

सम्पवेल के माध्यम से टंकी भर क्षेत्र के घरों में पानी सप्लाई होती है। महापौर यादव ने अधिकारियों से कहा कि दोनों सम्पवेल टंकी को आपस में कनेक्शन करे, जिससे बड़ी टंकी के ओव्हरफ्लो का पानी भी छोटे टंकी में जायेगा, जिससे सप्लाई बढ़ जायेगी। सप्लाई बढ़ने से राहत मिलेगी, इसके अलावा उन्होंने कहा कि बोर खनन के लिए प्रक्रिया करे, बोर खनन होने से पंप के माध्यम से टंकी भरा जायेगा, जिससे भी सप्लाई बढ़ेगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पेयजल समस्या वाले क्षेत्रो में ग्रीष्म ऋतु के पूर्व सुचारू पेयजल सप्लाई के लिए आवश्यक व्यवस्था करना सुनिश्चित करे। निरीक्षण के दौरान उप अभियंता अनुप पाण्डे व तिलक राज ध्रुव, फिटर सोमनाथ सहित पुलिस लाईन 18 एकड वासी उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com